मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 152
रविवार, 14 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जनगणना के नतीजे विकास के लिए दिशा-निर्देशक साबित होंगे : अमित शाह

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जनगणना 2027 के नतीजे देश के विकास के लिए नए दिशा-निर्देशक की तरह काम करेंगे, क्योंकि ये भारत की नवीनतम जनसंख्या से जुड़े आंकड़ों को अधिक सटीकता के साथ प्रतिबिंबित करेंगे।

शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय कवायद के लिए 11,718.24 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए जनगणना 2027 के बजट को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, आंकड़ों में सटीकता मोदी जी के सुशासन और विकास के लाभों को हर वर्ग के नागरिकों तक पहुंचाने के दृष्टिकोण को गति देगी, जिससे सबका साथ, सबका विकास का नारा अमृत काल में नए भारत की एक भव्य वास्तविकता बन जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो अपनी तरह की पहली डिजिटल जनगणना होगी। स्वतंत्रता के बाद से जनगणना का 16वां संस्करण पहली बार जाति आधारित गणना भी करेगा और नागरिकों को स्वयं गणना करने का विकल्प भी प्रदान करेगा।

देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण 2021 में होने वाली यह दशकीय कवायद स्थगित कर दी गई थी। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। इसके तहत अप्रैल से सितंबर 2026 तक

अमित शाह

मकानों की सूची बनाने और आवास जनगणना का काम होगा; और फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना की जाएगी। लगभग 30 लाख जनगणनाकर्मी प्रत्येक घर का दौरा करेंगे और घर-परिवार सूचीकरण, आवास गणना और जनसंख्या गणना के लिए अलग-अलग प्रश्नावली के माध्यम से सर्वेक्षण करेंगे। गृह मंत्री ने बताया कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके क्षेत्रों में जनसंख्या गणना सितंबर 2026 में की जाएगी।

अमित शाह ने मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के एमएसपी में पर्याप्त वृद्धि के फैसले का भी स्वागत किया। शाह ने कहा कि मंत्रिमंडल ने मिलिंग कोपरा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 129 प्रतिशत और बॉल कोपरा के लिए 127 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है (2014 की तुलना में)। उन्होंने कहा कि यह फैसला नारियल उत्पादक किसानों के लिए समृद्धि का नया युग लाएगा।

गृह मंत्री ने कैबिनेट द्वारा कोल सेतु नामक कोयला लिंकेज नीति सुधारों को मंजूरी दिए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को नई गति मिलेगी।

इस कदम से घरेलू उद्योगों के लिए कोयला आसानी से उपलब्ध होगा, आयात बिल में कमी आएगी और धुले हुए कोयले का निर्यात संभव हो पाएगा।

दिल्ली से होते हैं बीजेपी में फैसले, मुझसे सलाह नहीं ली जाती: कैप्टन अमरिंदर सिंह

पंजाब, 13 दिसम्बर। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भाजपा के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के विपरीत, पार्टी उनसे सलाह नहीं ले रही है। हालांकि, उन्होंने अपनी पूर्व पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया। भाजपा नेता सिंह ने कहा कि कांग्रेस में रहते हुए जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, उससे उन्हें आज भी ठेस पहुंची है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि कांग्रेस में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी उनसे मदद मांगेंगी तो वे हमेशा उनकी मदद करेंगे, हालांकि राजनीतिक रूप से नहीं।

सिंह ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलना कांग्रेस के उच्च कमान से मिलने से कहीं ज्यादा आसान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने नेताओं से सलाह लेती थी

और उसकी प्रणाली अधिक लोकतांत्रिक थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें पंजाब से विशेष लगाव है और वे राज्य के लिए कुछ भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि उन्होंने प्रधानमंत्री को भाजपा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से अवगत करा दिया है, लेकिन वे व्यक्तिगत रूप से भाजपा के कई राष्ट्रीय नेताओं को नहीं जानते हैं।

सिंह ने कहा कि भाजपा अपने फैसले सार्वजनिक नहीं करती और सभी निर्णय दिल्ली में जमीनी स्तर के नेताओं से परामर्श किए बिना लिए जाते हैं। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा कि भाजपा मुझसे सलाह नहीं लेती। मुझे 60 साल का राजनीतिक अनुभव है, लेकिन मैं उन पर अपना प्रभाव नहीं थोप सकता। 83 वर्षीय नेता ने पंजाब की जनता से स्थिरता के लिए भाजपा पर विचार करने का आग्रह किया और कहा कि भारत की सुरक्षा और पंजाब के हित आपस में जुड़े हुए हैं।

कांग्रेस की राज्य इकाई में आंतरिक कलह के बाद सिंह ने सितंबर 2021 में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद, उन्होंने पार्टी छोड़ दी और एक नई पार्टी बनाई, जिसका 2022 में भाजपा में विलय हो गया। यह घटना नवजोत कौर सिद्धू के उस बयान के बाद हुए राजनीतिक हंगामे के बाद घटी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पंजाब में जो भी 500 करोड़ रुपये का सूटकेस दे दे, वही मुख्यमंत्री बन जाता है।

रितु तावड़े ने किया प्रचार गाड़ी का उद्घाटन

मुंबई। सायन कोलीवाडा अंतर्गत वार्ड क्र.172 से स्वप्ना मणी बालन ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटलबिहारी बाजपेई की जयंती के अवसर पर आधार कार्ड अपडेट, आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड, लाडकी बहीण योजना, ज्येष्ठ नागरिक ओलख पत्र, आयुष्मान वंदना कार्ड मुफ्त सेवा कार्य किया। मुंबई महानगरपालिका चुनाव की बिगुल प्रचार गाडी का उद्घाटन बीजेपी महिला संयोजिका श्रीमती रितु तावडे ने किया। कार्यक्रम मे भाजप के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीमद्भगवत जीवन के समस्त क्लेशों से मुक्ति प्रदान करती है : डॉ त्रिभुनाचार्य

लाल शेखर सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व रश्मि हाइट्स 2, स्थित श्रीबालाजी बैंक्वेट हॉल में डॉ त्रिभुवनाचार्य के व्यासत्व में13 से 20दिसंबर तक नित्य सांय 4 से 7 बजे के सत्र में सात दिवसीय श्रीमद्भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है।भाजपा नेता एवं संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सचिव अखिलेश ज. मिश्र द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के प्रथम दिवस पर दोपहर 1 बजे से आयोजित कलश यात्रा में हजारों महिलाओं और पुरूषों की उपस्थिति रही।यह कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर राधाकृष्ण मंदिर से वसंत नगरी होते हुए कथा स्थल पर पहुंचकर सम्पन्न हुई।कथा श्रद्धालुओं के द्वारा कलश यात्रा में राधे- राधे,जय श्रीकृष्ण का जयघोष किया जा रहा था।

कथा व्यास पूज्य डॉ त्रिभुनाचार्य

महाराज ने प्रथम दिवस पर भागवत कथा का महिमा गान करते हुए व्यासपीठ से कहा कि भक्ति के दो पुत्र एक ज्ञान और दूसरा वैराग्य भक्ति के दोनों पुत्र रुग्ण होकर अवचेतन अवस्था मे हो जाते है। भक्ति जवान रहती हैं भक्ति एक जगह खड़ी हो कर अपने पुत्रों की दशा पर रो रही हैइस स्थिति में तमाम महिलाएं खड़ी हो कर भक्ति को सांत्वना दे रही है वो महिलाएं सभी तीर्थ है। गंगा यमुना आदि नदिया और तीर्थ आदि होते हैं, तभी वहां नारद जी आते है और बहुत सारे मंत्र सुनाते है लेकिन वे दोनों ठीक नहीं हुए नारद जी को बड़ा दुख हुआ तो चले गए बद्रीनाथ वहां आदि ऋषि मुनि सब उपस्थित थे तब उन्होंने ने बताया कि उन लोगों को भागवत कथा श्रवण करा देना चाहिए।भागवत कथा का श्रवण करने से भक्ति देवी के दोनों पुत्र स्वस्थ व चैतन्य हो जायेगे।कथा व्यास ने गोकर्ण और धुंधकारी की भी चर्चा करते हुए कहा कि भागवत कथा जिसके भी जीवन मे अवतरित होती है सब का मंगल करती है।अतः श्रीमद्भगवत को केवल ग्रंथ मानने की गलती ना करें क्योंकि यह साक्षात भगवान कृष्ण का स्वरूप है यह हमारे जीवन को समस्त क्लेशों से मुक्ति को प्रदान करती है।

पूज्य डॉ त्रिभुनाचार्य महाराज ने कथा प्रसंगों के बीच संतन के संग लाग रि तेरी बिगड़ी बनेगी और श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी आदि सुनाकर कथा में उमड़े जनसैलाब को भावविभोर कर दिया।गौरतलब है कि इस श्रीमद्भगवत कथा के मुख्य संकल्पी और आयोजक अखिलेश मिश्रा जी भाजपा सचिव वसई विरार क्षेत्र में होने वाले सभी सामाजिक और धार्मिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते नजर आते हैं।

भारत में टीबी की दर 2015 की तुलना में 21 प्रतिशत कम हुई : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत में तपेदिक की दर में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2015 में प्रति लाख की आबादी पर 237 से घटकर 2024 में प्रति लाख की आबादी पर 187 रह गई है।

नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि तपेदिक (टीबी) से होने वाली मृत्यु दर 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से घटकर 2024 में प्रति लाख जनसंख्या पर 21 हो गई, यानी इसमें 25 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि भारत में तपेदिक उपचार कवरेज 2015 में 53 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 92 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान (राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम) को देश के सभी राज्यों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में लागू किया गया है।

जंगल, गुफा या हिमालय में नहीं, गृहस्थ को ही बनाएं तपोवनः स्वामी हरि चैतन्य पुरी

मुंबई। प्रेमावतार, युगदृष्टा, श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी महाराज ने चेंबूर में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा का स्मरण करते हुए बाधा, कठिनाईयों,परीक्षाओं से यदि न घबराते हुए निरंतर चलो तो सफलता अवश्य ही कदम चूमेगी। गृहस्थ को ही तपोवन बना लें, जंगलों, गुफाओं या हिमालय में तप के लिए जाने की आवश्यकता नहीं है। गंगा व यमुना की तरह पवित्र भाव से आपस में मिलें, जीवन में एक लक्ष्य हो, लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास हो। मनोबल, आत्मबल व आत्मविश्वास बरकरार रखें। उन्होंने कहा कि धर्म लौकिकता व पारलौकिकता के बीच एक सेतु का काम करता है। लौकिक कर्तव्यों का पालन करते हुए पारलौकिक मार्ग पर कैसे आगे बढ़ा जा सके यह धर्म सिखाता है। धर्म - कर्म, भक्ति व ज्ञान का सुन्दर समन्वय स्थापित करके जीवन को आदर्श, महान ,सुखी व समृद्ध बनाने का संदेश देता है। धर्म सत्य, अहिंसा, परोपकार, राष्ट्र भक्ति ,माता पिता व गुरुजनों का सम्मान, सदाचार, नैतिकता व चारित्रिक उत्थान का संदेश देता है। हम आज हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध ,पारसी, जैन आदि बनें हैं, जिसमें कोई बुराई नहीं लेकिन एक सच्चे इंसान बने हैं या नहीं अंतरात्मा में यह सोचने पर मजबूर करता है धर्म। हम अपने धर्म का सम्मान करें लेकिन दूसरे का निरादर नहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समाज में निरंतर नैतिकता, राष्ट्रीयता व चरित्र का हो रहा ह्रास अत्याधिक चिंता का विषय हैं। धर्म विज्ञान सम्मत है ढकोसला नहीं, लोगों ने अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए इसे ढकोसला बनाने का प्रयास किया है। धर्म से विज्ञान दूर होने पर ही ढोंग, पाखंड, अंधविश्वास, रूढिवादिताओं को बढ़ावा मिलता है। अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भावविभोर कर दिया। 14 दिसंबर सायं 6 बजे से गोरेगांव (पश्चिम) में आई.बी.पटेल ग्राउंड में स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी महाराज के पावन सानिध्य में विराट धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

14 दिसंबर को गोरेगांव में विराट धर्म सम्मेलन

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

शाह 24 दिसंबर को पंचकूला में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे : नायब सिंह सैनी

हरियाणा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 दिसंबर को पंचकूला के अटल पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सैनी ने पंचकूला के अटल पार्क में कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद यह बात कही।

उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री की 41 फुट ऊंची धातु की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद शाह अटल पार्क में एक विशाल रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के कार्यालय पंचकमल में एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।

पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

-ललित गर्ग

-ललित गर्ग-

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है।

आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है।

धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दर्शाता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है।

इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पीढ़ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तोड़ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पीड़ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है। पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी नजरिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से बढ़ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे ह्वसुधैव कुटुम्बकम्ह्व के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है।

कट्टरवाद को पोषित करने की यह नीति केवल राजनीतिक विफलता नहीं, बल्कि पाकिस्तान की आम जनता के जीवन पर एक भारी बोझ बन चुकी है। देश की अर्थव्यवस्था बदहाल है, महंगाई आसमान छू रही है, बेरोजगारी चरम पर है और जनता भुखमरी की दहलीज पर खड़ी है। सबसे अधिक संकट में वहाँ के अल्पसंख्यक समुदाय हैं, जिन पर धार्मिक उन्माद और संकीर्ण सोच की दोहरी मार पड़ रही है-मंदिरों पर हमले, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और जनजीवन में भय का वातावरण यह स्पष्ट प्रमाण हैं कि पाकिस्तान में मानवाधिकार कितने खोखले हैं। आम लोग भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हैं, परंतु सत्ता अपने लोगों की पीड़ा सुनने के बजाय कट्टरवाद को राजनीतिक सहारा बनाकर स्वयं अपने भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि पाकिस्तान की वर्तमान सोच न केवल भारत के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण है, बल्कि पूरे उपमहाद्वीप की शांति और मानवता के लिए एक गहरा संकट भी है।

यदि पाकिस्तान वास्तव में एक बहुलतावादी और आधुनिक राष्ट्र की श्रेणी में आना चाहता है, तो उसे कट्टरपंथ को प्रश्रय देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा के लिए ईमानदार कदम उठाने होंगे। आज तो हालत यह है कि पाकिस्तान की छवि न केवल अल्पसंख्यकों, बल्कि इंसानियत के दुश्मन की बनी हुई है। इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र अपने भीतर की विविधता को दबाता है, जो अपने ही नागरिकों की अस्मिता का सम्मान नहीं करता, उसका भविष्य अंधकारमय होता है। पाकिस्तान यदि वास्तव में एक आधुनिक, विकसित और बहुलतावादी राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे तत्काल यह स्वीकार करना होगा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके धार्मिक स्थलों का संरक्षण उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। मंदिरों और गुरुद्वारों को बचाना केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व है-एक ऐसा दायित्व, जिसकी उपेक्षा ने पाकिस्तान को दुनिया भर में अविश्वास और आलोचना का पात्र बना दिया है। आवश्यक है कि पाकिस्तान आत्मचिंतन करे, आईना देखे और समझे कि धार्मिक कट्टरता के सहारे राष्ट्र नहीं बनते, टूटते हैं। यदि वह अब भी नहीं सुधरा, तो इतिहास उसे कठोर शब्दों में याद करेगा, और यह कलंक उससे कभी मिटेगा नहीं।

हिन्दुओं की आस्था को रौंद कर आगे बढ़ने की कट्टरपंथी सोच

-संजय सक्सेना

हिन्दुस्तान मुसलमानों की जहनियत में पिछले चार-पाँच दशकों से काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान से चलता है, लेकिन अब देश के मुसलमानों में भारत के प्रति वैसी वफादारी नहीं दिखती जैसी उनके मन में शरीयत के प्रति है। कहने को तो शरीयत कुरान की ही सोच है, लेकिन हकीकत यह है कि कट्टरपंथियों ने शरीयत में कुरान के कई संदेशों को अनदेखा कर दिया है। इसलिए देश में कभी वंदेमातरम और भारत माता की जय पर बवाल होता है तो कभी हिन्दुओं के प्रति घृणा फैलाई जाती है। उनकी भावनाओं को आहत किया जाता है ।उत्तर प्रदेश के एक छोटे से कस्बे में, तीन साल पहले की वह सुबह भूलना मुश्किल है। ईद की नमाज के बाद सड़क पर उमड़ी भीड़ अचानक नारों से गूंज उठी। ह्वभारत माता की जय बोलने वाले हिंदू पड़ोसियों को घेर लिया गया। पत्थर चले, गाड़ियां जलाई गईं। वजहबस एक पुरानी मस्जिद के पास लगे राष्ट्रगान के पोस्टर। स्थानीय मुस्लिम युवाओं का कहना था कि वे ह्वकाफिरों के नारे नहीं बर्दाश्त करेंगे। पुलिस ने बाद में पकड़े गए 40 लोगों में से ज्यादातर को जमानत मिल गई, लेकिन वह घटना पूरे इलाके में दरार डाल गई। आज भी वह कस्बा दो खेमों में बंटा है। यह एक छोटी सी मिसाल है उस बदलाव की, जो आजादी के बाद भारत के मुसलमानों की सोच में आया है।

बात 1947 की है, जब आजादी की दहलीज पर खड़ा भारत दो टुकड़ों में बंट गया। मुहम्मद अली जिन्ना की ज़िद्द ने पाकिस्तान को जन्म दिया, इस्लाम के नाम पर। हिंदुओं, सिखों के लिए बचा भारत। बंटवारे का सिद्धांत साफ था, मुसलमान पाकिस्तान जाएँगे। लेकिन लाखों मुसलमानों ने इनकार कर दिया। उनका तर्क था, हम भारत से मोहब्बत करते हैं। यहाँ लोकतंत्र है, संविधान बनेगा, कानून राज करेगा। शरीयत की हुकूमत नहीं चाहिए। नेहरू, पटेल जैसे नेताओं ने इन्हें आश्वासन दिया। नतीजा? 1947 में भारत में 3.5 करोड़ मुसलमान रह गए, जबकि पाकिस्तान चला आधा करोड़। आज यह संख्या 20 करोड़ के पार पहुँच चुकी है। तत्पश्चात पहले दो दशक शांतिपूर्ण गुजरे। मुसलमानों ने भारतीय सेना में हिस्सा लिया, बॉलीवुड सितारे बने, खिलाड़ी हुए। लेकिन 1970 के बाद हवा बदली। खाड़ी युद्धों ने पैसे लाए, सऊदी से वहाबी विचारधारा घुस आई। मदरसों की संख्या 1981 में 900 से बढ़कर 2023 तक 2.7 लाख हो गई। इनमें से 25 हजार से ज्यादा बिना पंजीकरण के चलते हैं। आजकल शरीयत की माँग, गजवा ए हिंद के नारे सुनाई देते हैं। सोशल मीडिया पर हिंदू देवताओं के खिलाफ नफरत भरी पोस्टें वायरल होती हैं। वंदे मातरम, भारत माता की जय जैसे नारे तक असंवैधानिक बता दिए जाते हैं। तुष्टिकरण की सियासत करने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा इस तरह की गतिविधियों से मुंह मोड़ लिया जाता है।

भारतीय राजनीति में यह सब कई दशकों तक साफ दिखता है। हिन्दू वोटरों को जाति के नाम पर बाँट दिया जाता था और मुस्लिमों को एकजुट किया जाता रहा, लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव से भारत की सियासत की तस्वीर काफी बदल गई। अब मुस्लिमों की तरह हिन्दू भी एकजुट होकर वोटिंग करने लगे हैं। यही वजह थी कि 2014 में देश में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी। इसके बाद यही पैटर्न कई विधानसभा चुनाव में भी दिखाई दिया, जहाँ हिन्दू बहुमत में भाजपा को समर्थन देते हैं, वहाँ मुसलमान एकजुट होकर विरोध करते हैं ।परंतु गैर भाजपाई दलों ने हिंदुओं को बांटने की कोशिश छोड़ी नहीं। कभी बीजेपी के खिलाफ यादव-मुस्लिमों को एकजुट करने की कोशिश होती तो कभी दलित-मुसलमानों को एक बैनर तले लाने की नाकाम कोशिश की जाती। 2019 लोकसभा में 27 फीसदी मुस्लिम बहुल सीटों पर विपक्ष ने सिर्फ. इसलिए जीत हासिल की क्योंकि वोट ट्रांसफर हुआ। भाजपा को हराने का एकमात्र मकसद तुष्टिकरण वाली पार्टियां ही सत्ता में रहें। यही पैटर्न पश्चिम बंगाल, बिहार, यूपी के विधानसभाओं में दिखा। 2022 यूपी चुनाव में 17 फीसदी मुस्लिम वोटों ने भाजपा को 60 से ज्यादा सीटें कम करा दीं। दुनिया भर के मुसलमानों से भारत के मुसलमानों की तुलना करें तो भारत का मुसलमान सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक जिंदगी जीता है। पहला, लोकतंत्र। भारत में हर नागरिक को वोट का हक। पाकिस्तान में 2024 चुनावों में 40 फीसदी वोटिंग हुई, सेना ने असल में सरकार बनाई। बांग्लादेश में हसीना की हुकूमत ने विपक्ष को कुचल दिया। अफगानिस्तान में तालिबान ने महिलाओं को घर से निकलने पर पाबंदी लगा दी। भारत में मुस्लिम महिलाएँ चीफ जस्टिस तक बनीं।

दूसरा, धार्मिक आजादी। संविधान के अनुच्छेद 25-28 हर मजहब को मानने, प्रचार करने का हक देते हैं। भारत में 4 लाख से ज्यादा मस्जिदें, 2.7 लाख मदरसे। केंद्र सरकार ने 2023 में 5 हजार करोड़ मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए दिए। सऊदी में गैर इस्लामी पूजा पर कोड़े लगते हैं। मिस्र में कॉप्टिक चर्च सीमित। भारत में हिंदू मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण, लेकिन वक्फ बोर्ड स्वायत्त।

तीसरा, वक्फ संपत्ति। आज 32 राज्य के वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ जमीन, करीब मूल्य 1.2 लाख करोड़ रुपये की है। दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण नहीं। पाकिस्तान का वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार में डूबा। भारत में यह संपत्ति मुस्लिम कल्याण के लिए आरक्षित। हालांकि, 58 हजार संपत्तियों पर विवाद, लेकिन कानूनी सुरक्षा बरकरार। चौथा, व्यक्तिगत कानून। भारतीय मुसलमानों को शरीयत आधारित विवाह, तलाक, उत्तराधिकार का हक है। हज सब्सिडी 2018 तक 7000 करोड़ खर्च होती है। ट्रिपल तलाक पर कानून बना, लेकिन बहुविवाह वैध है। हिंदुओं पर 1955 से साझा कानून। ईरान में शरीयत सख्त, लेकिन भारत जैसी छूट नहीं। पाँचवाँ, अभिव्यक्ति। भारत में मुसलमान सड़कों पर सीएए के विरोध में 100 दिन धरना देते हैं। 2020 दिल्ली दंगों में 50 से ज्यादा प्रदर्शन होते हैं। पाकिस्तान में ब्लास्फेमी कानून पर 1500 मुकदमे, 80 हत्याएँ। भारत में ओवैसी जैसे नेता संसद में सरकार को ललकारते हैं। छठा, शिक्षा और रोजगार। अल्पसंख्यक कोटा से एएमयू, जामिया में 50 फीसदी आरक्षण। 2023 में यूपीएससी में 20 मुस्लिम आईएएस, भारतीय सेना में 3 फीसदी मुस्लिम अधिकारी। राष्ट्रपति अब्दुल कलाम, जाकिर हुसैन जैसे उदाहरण। यूएई में हिंदू मंदिर 2023 में बना, लेकिन भारत जितनी आजादी नहीं। सातवाँ, न्यायपालिका। मुस्लिम जज सुप्रीम कोर्ट में। 2024 तक 10 फीसदी हाईकोर्ट जज। बाबरी मस्जिद केस में 10 साल सुनवाई, शांति से फैसला। तुर्की में आया सोफिया मस्जिद बनी, लेकिन भारत जैसा धैर्य नहीं। बहरहाल, इन सुविधाओं के बावजूद समस्या कहाँ? 2023 एनसीआरबी डेटा में आतंकी मॉड्यूल में 80 फीसदी भारतीय मुस्लिम। आईएसआई से फंडिंग वाले 500 से ज्यादा मदरसे। गजवा ए हिंद के 10 हजार से ज्यादा प्रचारक। पाकिस्तान के लिए सहानुभूति, 26/11 हमले पर भी कुछ मौलानाओं ने इसे विद्रोह कहा। संविधान कहता है, भारत सर्वोपरि। लेकिन जब पड़ोसी दुश्मन देशों के हित साधे जाते हैं, काफि रों से नफरत फैलाई जाती है, तो चिंता बढ़ती है। 75 सालों में भारत ने सब दिया, वोट, मस्जिदें, कानून। अब ज़िम्मेदारी मुस्लिम समाज की है। क्या वे शरीयत छोड़कर संविधान अपनाएँगे? या गजवा के ख़्वाब देखते रहेंगे? लब्बोलुआब यह है कि भारत के बहुसंख्यक समाज को भी सावधान रहना होगा। नफरत का जवाब नफरत नहीं। लेकिन तुष्टिकरण बंद। कट्टरपंथ पर जीरो टॉलरेंस। जब तक मुसलमान खुद न कहें, ह्वहम पहले भारतीय, फिर मुसलमान, तब तक दरारें बढ़ेंगी। भारत का भविष्य एकता पर टिका है, नफरत पर नहीं। यह बात उन मुसलमानों को आगे बढ़कर बतानी होगी जो देश का भला चाहते हैं।

जब इलाज भी बाजार बन जाए: भारत में स्वास्थ्य अधिकार की लड़ाई

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा और ढांचा तेजी से बदल रहा है। चिकित्सा उपचार, जो कभी सार्वजनिक दायित्व और कल्याणकारी राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी माना जाता था, अब अधिकाधिक निजी क्षेत्र के हाथों में जाता दिख रहा है। एक ओर, सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सीमित बजट, कम मानव संसाधन और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझता रहता है; दूसरी ओर, निजी अस्पतालों और कॉर्पोरेट मेडिकल चेन की पहुंच और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इन दोनों के बीच आम नागरिक, विशेषकर गरीब, ग्रामीण, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और हाशिए पर रहने वाले समुदाय, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत और असमान पहुंच के बोझ तले दबते जा रहे हैं।

इसी बदलते परिदृश्य में, भारत में यह बहस और तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को एक न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जाए। क्या न्यायपालिका इस अधिकार को ल्लाङ्क्षगू करा सकेगी, जब व्यवस्था ही बुनियादी रूप से असमान, महंगी और निजीकरण-प्रधान हो चुकी हो? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं है; यह गहराई से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक है। क्योंकि अधिकार तभी सार्थक होता है जब राज्य उसे प्रदान करने की सामर्थ्य और इच्छा दोनों रखता हो।

भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से एक स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक इसे एक इंफोर्सेअब्ले राइट नहीं बनाया जाएगा, तब तक असमानता, शोषण और मनमानी शुल्क वसूली जैसे मुद्दे निरंतर बढ़ते रहेंगे।

भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता है—और यही से उत्पन्न होती है असमानता, अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ, और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही।

निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं है; यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग बन जाता है, तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है, पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता।

भारत में बढ़ती निजीकरण प्रवृत्ति और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय की कमी: क्या स्वास्थ्य का अधिकार सच में न्यायालयों में लागू किया जा सकता है? जब उपचार एक सेवा नहीं, बल्कि बाजार की वस्तु बन जाए, तब अधिकारों की भाषा कमजोर पड़ जाती है।

एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी नियमन और पारदर्शिता बेहद कमजोर हैं। मरीजों से मनमाना शुल्क, अनावश्यक जाँचों की सलाह, महंगे पैकेज, और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसे मुद्दे आम बात हो चुके हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब मरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था बेहद कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40% के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। सरकारी बीमा योजनाओं—जैसे आयुष्मान—का उद्देश्य भले ही आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं, और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की जड़ समस्या को हल नहीं किया है; बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक-स्रोत बन गया है।

असमानता का एक और स्तर सामाजिक बहिष्कार है। दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएँ, ट्रांसजेंडर व्यक्ति, दिव्यांग नागरिक—इनके लिए स्वास्थ्य सेवाएँ पाने की राह और भी कठिन है। कई बार सरकारी अस्पतालों में संवेदनशीलता की कमी, भेदभाव, संचार अंतर, या संरचनात्मक बाधाएँ उन्हें गुणवत्तापूर्ण सेवा से वंचित रखती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का अधिकार केवल कानूनी भाषा भर नहीं रहना चाहिए; इसे सामाजिक न्याय की दृष्टि से समझना होगा।

स्वास्थ्य अधिकार को न्यायिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर GDP का कम से कम 5% खर्च होना चाहिए; जबकि भारत अभी 2% से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना, और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिना—किसी भी अधिकार का लागू होना केवल सैद्धांतिक रहेगा। दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव भारत की स्वास्थ्य असमानता का एक अन्य कारण है। लगभग 80% दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जनऔषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे। साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव और असुरक्षित कार्य वातावरण—ये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधनों में उचित निवेश करे।

इन सभी परिस्थितियों में, स्वास्थ्य का अधिकार तभी वास्तविक रूप से लागू हो सकता है, जब शासन संरचना अधिक पारदर्शी, विकेंद्रीकृत और जवाबदेह बने। समुदाय आधारित निगरानी तंत्र, जिला स्वास्थ्य समितियों की मजबूती, डिजिटल पारदर्शिता, और शिकायत निवारण के प्रभावी तंत्र यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नागरिक अपने अधिकारों का दावा कर सकें और शासन उन्हें जवाब देने के लिए बाध्य रहे। नीतिगत परिवर्तन के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य है; परंतु इसकी शुरूआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने, तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक न्यायसंगत बनाएगा बल्कि भविष्य के लिए स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव भी रखेगा। अंततः, स्वास्थ्य को न्यायिक रूप से लागू करने योग्य बनाना भारत के संवैधानिक दर्शन—विशेषकर सामाजिक न्याय—की पुनर्पुष्टि होगा। लेकिन यह तभी सम्भव है जब सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी मजबूत हो कि वह इस अधिकार को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने में सक्षम हो। यदि राज्य की प्राथमिकताएँ स्वास्थ्य सुरक्षा की बजाय बाजार आधारित मॉडल को बढ़ावा देने में लगी रहेंगी, तो अधिकार शब्द अपनी प्रासंगिकता खो देगा और नागरिकों की पीड़ा बढ़ती जाएगी।

भारत को आज यह स्वीकार करना चाहिए कि स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, बल्कि मानव गरिमा की बुनियाद है। और जब तक इस बुनियाद को समान रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो रहेगा, पर जनता के जीवन में नहीं।

भारत में शिक्षकों पर बढ़ता गैर-शैक्षणिक बोझ

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में शिक्षक परंपरागत रूप से बच्चों के भविष्य का निमार्ता,समाज का मार्गदर्शक और राष्ट्र के बौद्धिक स्तंभ माने जाते हैं। शिक्षा का कार्य केवल ज्ञान का संचार भर नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों,नागरिक चेतना,चरित्र निर्माण और सामाजिक विकास का आधार भी है।किंतु विडंबना यह है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों को अक्सर शिक्षण के अतिरिक्त असंख्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंक दिया जाता है-जनगणना कार्य,चुनाव आयोग का चुनावी प्रबंधन,स्वास्थ्य विभाग की डोर- टू-डोर गतिविधियाँ, सर्वेक्षण, खाद्यान्न वितरण का रिकॉर्ड, पंचायत गतिविधियाँ और यहां तक कि कई बार स्थानीय प्रशासन द्वारा सौंपे गए तात्कालिक काम भी उन्हें ही करने पड़ते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस असंतुलन ने शिक्षकों के पेशेवर गौरव को प्रभावित किया है और बच्चों की सीखने की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। इसी व्यापक संदर्भ में हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पुंछ और कुपवाड़ा जिलों में शिक्षकों को स्कूल परिसर के आसपास दिखने वाले आवारा कुत्तों की पहचान ,रिपोर्टिंग, निगरानी और कुत्तों से सावधान रहें जैसे साइनबोर्ड लगाने के आदेश ने एक राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। शिक्षकों ने इस निर्देश को घिनौना,अपमानजनक और हंसी का पात्र बनाने वाला कदम कहा है।यह मामला केवल दो जिलों तक सीमित नहीं,बल्कि यह भारत की शिक्षा प्रणाली के उस संकटपूर्ण ढांचे की ओर संकेत करता है, जिसमें शिक्षक एक मल्टी-डिपार्टमेंट वर्कर बनकर रह गया है। यह विश्लेषण इस पूरी घटना कासामाजिक,प्रशासनिक, न्यायिक, शैक्षणिक और अंतरराष्ट्रीय नजरिए से विस्तृत मूल्यांकन करता है। साथियों बात अगर हम आदेश की पृष्ठभूमि,जब शिक्षक कुत्तों की गिनती करने लगे इसको समझने की करें तो,पहला मुद्दा जो चर्चा में आया,वह जम्मू कश्मीर राज्य के जहां से अब भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है,पुंछ व कुपवाड़ा जैसे जिलों में जारी आदेश है, जिसमें शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती,उनके दिखने के स्थानों कीडॉक्यूमेंटेशन और उनके व्यवहार या घटनाओं की रिपोर्टिंग का कार्य सौंपा गया।शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह कदम उनके पेशेवर सम्मान के खिलाफ है, और ऐसा लग रहा है मानो शिक्षकों को किसी भी प्रकार का प्रशासनिक बोझ वगीर्कृत कर दिया गया है।आदेशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रत्येक विद्यालय एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे, जो आवारा कुत्तों के दृश्य की रिकॉर्डिंग करे और उसे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करे।यह स्थिति उन दूरस्थ स्कूलों में और भी जटिल है जहाँ शिक्षक पहले से ही बहु-स्तरीय कार्यों में बँधे हुए हैं,स्कूल चलाना ,कक्षाओं का संचालन, मिड-डे मील मॉनिटरिंग,प्रवेश प्रक्रिया, विभागीय रिपोर्टिंग, प्रशासनिक निरीक्षण, आरटीई अनुपालन, ऐसे में कुत्तों की गिनती का कार्य जोड़ना शिक्षकों के कार्यभार को गैर-जरूरी रूप से बढ़ाता है और शिक्षा-गत गुणवत्ता को कम करता है।

साथियों बात अगर हम जम्मू-कश्मीर के पुंछ और कुपवाड़ा आदेश क्यों जारी हुआ? इसको समझने की करें तो,जम्मू-कश्मीर प्रशासन का कहना है कि कई जिलों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी है और कई स्कूल परिसरों में कुत्तों ने बच्चों पर हमला करने की घटनाएँ दर्ज हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण और पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए थे। यही कारण है कि जिला उपायुक्त ने एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें निर्णय लिया गया कि,कुत्तों की निगरानी,पशु जन्म नियंत्रण का क्रियान्वयन, नगरपालिकाओं से सहयोग खतरनाक पशुओं पर नजर,छात्रों की सुरक्षा,इन सब उपायों को लागू करने के लिए शिक्षकों को सबसे आसान और उपलब्ध विकल्प समझा गया, क्योंकि वे स्कूल में उपस्थित भी रहते हैं और प्रशासनिक प्रणाली का हिस्सा भी हैं।यह सोच भले प्रशासनिक सुविधा दे, लेकिन यह शिक्षा की वास्तविकता को कमजोर करती है। साथियों बात अगर हम क्या शिक्षकों को नोडल अधिकारी बनाना आवश्यक था? एक प्रशासनिक आलोचना इसको समझने की करें तो,सीईओ पुंछ और कुपवाड़ा द्वारा जारी आदेशों में शिक्षकों, हेडमास्टरों और प्रिंसिपलों को नोडल अधिकारी बनाकर कुत्तों की उपस्थिति रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस आदेश की आलोचना इसलिए बढ़ी क्योंकि(1)शिक्षक सुरक्षा विशेषज्ञ नहीं हैं (2) उन्हें पशुओं के व्यवहार की तकनीकी जानकारी नहीं (3)जोखिमपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना प्रशिक्षित व्यक्तियों का कार्य है।(4)नगर पालिका, पशुपालन और स्थानीय निकायों का यह मूल क्षेत्राधिकार है(5)शिक्षक संवेदनशील दैनिक कार्य कर रहे होते हैं,कुत्तों की निगरानी से उनकी कक्षा बाधित होगी,यह प्रशासनिक प्रक्रिया सरकारी विभागों की कमी को शिक्षकों पर थोपने का एक उदाहरण मानी जा रही है।

साथियों बात अगर हम कुत्तों से सावधान रहें बोर्ड लगाने का निर्देश,प्रतीकवाद या समाधान? इसको समझने की करें तो, आदेश में यह भी कहा गया कि,हर स्कूल के बाहर हर प्रवेश द्वार पर,छात्रों के मार्ग पर बिअवेयर ऑफ डॉग्स / कुत्तों से सावधान रहें संदेश वाले बोर्ड लगाना अनिवार्य है।लेकिन शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि,बोर्ड लगाने से समस्या हल नहीं होती,यह लंबे समय के समाधान का विकल्प नहीं,यह स्कूल को डर का स्थल बनाता है,बच्चों में मानसिक असुरक्षा का भाव बढ़ा सकता है,यह ऐसे है जैसे किसी खतरनाक क्षेत्र में चेतावनी लगाकर जिम्मेदारी पूरी कर दी गई हो, जबकि असल समस्या सटीक रूप से जस की तस बनी रहती है। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट का संदर्भ,प्रशासन की मजबूरी या गलत व्याख्या? इसको समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की समस्या पर कहा था कि,राज्य सरकारें पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम चलाएँ नगरपालिकाएँ डॉग वॉर्डन टीमें तैनात करें,प्रशासनिक निकाय वैज्ञानिक योजना बनाएं, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है,लेकिन कहीं भी ऐसा नहीं कहा गया कि शिक्षकों को कुत्तों की गिनती करनी चाहिए। यही कारण है कि कई शिक्षक संगठनों ने यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की गलत व्याख्या करार दिया है। साथियों बात अगर हम शिक्षकों की प्रतिक्रियाः हम शिक्षक हैं, पशु निरीक्षक नहीं इसको समझने की करें तो कई संगठनों ने बयान दिएयह कदम घिनौना है।हमें हंसी का पात्र बना दिया गया।शिक्षकों का अपमान है।यह हमारी पेशेवर गरिमा पर आघात है।हमारा मुख्य कार्य बच्चों को पढ़ाना है, कुत्ते गिनना नहीं।ऑल इंडिया प्राथमिक शिक्षक महासंघ और जम्मू-कश्मीर टीचर्स एसोसिएशन ने कहा कि शिक्षक पहले ही कई गैर-शैक्षणिक बोझ से दबे हुए हैं। यह आदेश शिक्षा प्रणाली की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न है। साथियों बात अगर हम गैर-शैक्षणिक कार्यों का शिक्षण परिणामों पर दुष्प्रभाव इसको समझने की करें तो शोध बताते हैं कि,शिक्षक जितना समय पढ़ाने में लगाएंगे, उतनी ही सीखने की दर बढ़ेगी,अतिरिक्त कार्य शिक्षण समय को 20-30 प्रतिशत तक कम कर देता है,प्राथमिक विद्यालयों में यह प्रभाव और अधिक गंभीर है,छात्रों का लर्निंग आउटकम घटता है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है कि शिक्षकों को केवल शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने देना चाहिए, लेकिन वास्तविकता इससे उलट है।

गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा व्यसनमुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता रैली में सैकड़ो विद्यार्थियों और लोगों ने नशा मुक्ति का लिया संकल्प

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी के तत्वावधान में व्यसनमुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को एक भव्य जन जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। बतादें कि यह रैली अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित सप्तसूत्रीय आंदोलन का हिस्सा है जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को नशामुक्ति का संदेश देना तथा युवाओं में बढ़ती व्यसन प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाना है। रैली की शुरूआत सुबह 8 बजे दादासाहेब दांडेकर विद्यालय गोपाल नगर से हुई जो कल्याण नाका होते हुए कमला होटल, धामणकर नाका मार्ग से गुजरते हुए पद्म श्री अन्नासाहेब जाधव विद्यालय में सुबह 10 बजे संपन्न हुई। समापन अवसर पर नशा मुक्ति शपथ समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डा. वरुण मानेक ने कहा कि आज समाज में नशे की लत तेजी से फैल रही है और इसका प्रभाव कम उम्र के बच्चों तक पहुंच चुका है। शराब एवं नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं में अवसाद, निराशा, असफलता और अनेक सामाजिक समस्याओं को जन्म दे रही है। यह धीमा जहर न केवल सामाजिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि शरीर को कमजोर कर जीवन शक्ति को भी समाप्त कर रहा है। गायत्री परिवार की सृजन सैनिक अभियान के माध्यम से देशभर में नशा उन्मूलन के प्रति जनजागरूकता अभियान चला रही है जिसमें करोड़ों लोगों को व्यसन त्याग कर स्वस्थ, संयमित एवं नैतिक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस जनजागरूकता रैली का आयोजन गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी के साथ मिलकर मनोरथ सिद्धि सेवा फाउंडेशन, मां भारती चैरिटेबल ट्रस्ट, आदर्श रामलीला मित्र मंडल, आर.डी.एस. आर्ट एंड कल्चर क्लब एन्क्लेव, जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, अटल सेवा फाउंडेशन तथा श्री सिद्धेश्वर योगा मित्र मंडल के संयुक्त सहयोग से किया गया। इस अवसर पर शान्तिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि सोमदेव पटय्या, प्राचार्य सुधीर घागस, वरिष्ठ समाज सेवी कृष्णगोपाल सिंह , डा. वरुण मानेक आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न किया गया । कार्यक्रम का सूत्र संचालन सुरेंद्रनाथ दुसाने सर एवं आर डी देसाई सर ने किया।

मीरा भायंदर के विकास को नई गति

◆सोमवार को उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के नए भवन का शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा

तारकेश्वर पांडे /मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के प्रशासनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ जाएगा, क्योंकि नवउद्घाटित उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के भव्य नए भवन की आधारशिला रखने का समारोह सोमवार, 15 दिसंबर को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के शुभ हाथों से आयोजित किया जाएगा। मीरा भायंदर शहर में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, नागरिक पिछले कई वर्षों से एक अलग उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की आवश्यकता व्यक्त कर रहे थे। इस मांग को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय जन प्रतिनिधि प्रताप सरनाईक पिछले तीन वर्षों से लगातार इस दिशा में प्रयासरत हैं। परिणामस्वरूप, परिवहन संबंधी कार्यों के लिए पुलिस स्टेशन जाने में नागरिकों को होने वाली भीड़भाड़, समय की बबार्दी और अतिरिक्त खर्च अब लगभग अतीत की बात हो गई है। परिवहन मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद, सरनाईक ने इस मांग को प्राथमिकता दी और एमएच-58 (मीरा-भयंदर) में एक नया उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय स्थापित किया। प्रारंभ में, स्थान की कमी के कारण भवन निर्माण में बाधा आई। हालांकि, उन्होंने राजस्व विभाग से परिवहन विभाग को भूमि हस्तांतरित करके लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से एक सुसज्जित और आधुनिक भवन के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। सोमवार को होने वाला शिलान्यास समारोह मीरा भायंदर के नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक, तेज और आधुनिक परिवहन सेवाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा और शहर के प्रशासनिक विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

सड़कों की खराब हालत के खिलाफ मानसरोवर क्षेत्र के लोगों द्वारा आंदोलन की चेतावनी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मानसून का मौसम लंबा चलने के कारण सड़कें खराब हो गई हैं और मानसून का मौसम बीत जाने के बाद भी मनपा प्रशासन मानसरोवर इलाके की सड़कों की मरम्मत नहीं कर रहा है। जिसके लिए पूर्व सभागृह नेता श्याम अग्रवाल ने निवेदन देकर मनपा आयुक्त से इसका विरोध करने की चेतावनी दी है। मानसरोवर के वार्ड नंबर 22 में अलग-अलग जगहों पर सड़कों की हालत बहुत खराब होने के कारण वह पिछले दो सालों से सडक के मरम्मत की मांग कर रहे हैं। मानसून के मौसम से पहले भी मनपा प्रशासन से सड़क मरम्मत की मांग की गई थी। उस समय वादा किया गया था कि मानसून का मौसम खत्म होने के बाद सड़कों की मरम्मत की जाएगी। लेकिन श्याम अग्रवाल का आरोप है कि मनपा के शहर अभियंता और प्रभाग समिति तीन के उप अभियंता ने जानबूझकर इस मांग को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस इलाके की सड़कों में गड्ढे हैं और इसके साथ ही गैस पाइपलाइन और अंडरग्राउंड केबल बिछाने के लिए संबंधित कंपनी द्वारा बार-बार सड़कों को खोदा गया है लेकिन इन खोदी गई सड़कों को ठीक से नहीं भरा जा रहा है जिससे सड़कों की हालत बहुत खराब हो गई है। इसकी वजह से स्थानीय नागरिकों को बेवजह परेशानी और असुविधा झेलनी पड़ रही है। श्याम अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि इसके खिलाफ सोमवार 15 तारीख को स्थानीय लोगों की ओर से मनपा मुख्यालय पर जोरदार विरोध और प्रदर्शन किया जाएगा।

जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने किया 1234.551 हेक्टेयर सामूहिक वन अधिकार पट्टों का वितरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने जव्हार तहसील के चिंचवाड़ी एवं भोपतगढ़ परिसर में विभिन्न विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। चिंचवाड़ी में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का उन्होंने दौरा कर स्वास्थ्य संबंधी पहलों की सराहना की।

भोपतगढ़ में सामूहिक वन अधिकार पट्टों के वितरण का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोनगीरपाड़ाझघाटालपाड़ा में 610.37 हेक्टेयर, अनंतनगरझकोगदा में 192.181 हेक्टेयर, हाड़ेझदेवीचापाड़ा में 132 हेक्टेयर, झापझचिंचवाड़ी में 300 हेक्टेयर सामूहिक वन अधिकार पट्टों का वितरण किया गया। इस प्रकार कुल 1234.551 हेक्टेयर आर सामूहिक वन अधिकार पट्टे जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड के हाथों वितरित किये गये। हाड़े (देवीचापाड़ा), ऐन (सोनगीरपाड़ा), चिंचवाड़ी, कोगदा (अनंतनगर) की सामूहिक वन अधिकार समितियों के अध्यक्ष एवं सचिवों को कुल 1234.551 हेक्टेयर आर के वन अधिकार पट्टे प्रदान किए गए। स्थानीय आदिवासी क्षेत्रों के अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम के पश्चात जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने भोपतगढ़ किले का निरीक्षण किया तथा वहां आयोजित ग्रामसभा में उपस्थित ग्रामीणों को विकास, अधिकार संरक्षण एवं वन प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर वयम संस्था के अध्यक्ष मिलिंद थत्ते, प्रभारी तहसीलदार सुरेश कामडी, उपवनसंरक्षक सैपुन शेख, तथा राजस्व विभाग, वन विभाग एवं परियोजना कार्यालय के अधिकारी अभयकुमार टकले, श्री रास्ते, श्री टी.के. सहित बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

गढ़वा घाट आश्रम कांदिवली में काशी के संत शरणानंद जी का आगमन

मुंबई। कांदिवली पूर्व के दामूनगर में स्थित गढ़वा घाट आश्रम में काशी के संत-शिरोमणि परम पूज्य श्री श्री 108 श्री सदगुरु शरणानंद जी महाराज परमहंस जी का शुभागमन हुआ है। इस अवसर पर प्रतिदिन दर्शन, पूजन, भजन, ध्यान एवं सत्संग का दिव्य आयोजन चल रहा है, जहाँ उपस्थित हर भक्त को अलौकिक शांति, आनंद और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। 4 जनवरी रविवार को आश्रम में विशाल महाआरती एवं महाभंडारे का आयोजन अत्यंत भव्य रूप से किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारी पंकज शर्मा और सोनी बाबा जी ने समस्त भक्त गणों से इस अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

सम्राट अशोक विद्यालय में शेकोटी कार्यक्रम मनाया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पाली भाषा प्रचार और प्रसार ट्रस्ट द्वारा संचालित सम्राट अशोक विद्यालय में शेकोटी कार्यक्रम मनाया गया। नवीन शैक्षणिक नीति 2020 के अनुसार कार्यात्मक शिक्षा और बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार आनंददायक शिक्षा की सांगड लगाते हुए सम्राट अशोक विद्यालय में शेकोटी कार्यक्रम संपन्न हुआ। मराठी माध्यम की कक्षा पांचवीं की पाठ्यपुस्तक में शेकोटी पाठ है। विद्यार्थियों को अध्यापन के साथ कार्यात्मक शिक्षा देते हुए आनंददायक शनिवार मनाया गया। कार्यक्रम के अवसर पर कोटक फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर सुमित कांबळे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के साथ मध्य. विभाग के मुख्याध्यापक गुलाबराव पाटील, प्रा. विभाग की मुख्याध्यापिका सुजाता नलावडे और अन्य शिक्षकों ने शेकोटी का आनंद लिया। शेकोटी का महत्व सहशिक्षिका आशा शिंदे ने बताया।

मानवता हॉस्पिटल और अग्रवाल हॉस्पिटल के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व चिंचपाड़ा परिसर में केडीएमसी पैनल क्रमांक 14 में शिवसेना के इच्छुक उम्मीदवार शरद पावशे की पहल से तथा मानवता हॉस्पिटल और डॉक्टर अग्रवाल हॉस्पिटल के माध्यम से नागरिकों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आँखों की जाँच के साथ-साथ अन्य बीमारियों की भी जाँच की गई तथा निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। इस अवसर पर शिवसेना के विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड, कल्याण पूर्व शहर प्रमुख निलेश शिंदे, पूर्व नगरसेवक राजाराम आप्पा पावशे, शाखा प्रमुख संजय पावशे, महिला शाखा प्रमुख अनुजा मोरे, संतोष शिंदे, संतोष मोरे, स्वप्निल लोखंडे, सोनल लोखंडे, राजू जाधव, उद्देश हरियान, स्वाति चव्हाण, साक्षी पतियान, संपदा शिंदे, देवयानी बाने, संजना सावंत, मनीषा मासरणकर, विद्या पतियान सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। आगामी होने वाले चुनाव के मद्देनजर पैनल क्रमांक 14 से शरद पावशे, राजाराम पावशे, रमेश जाधव और सारिका जाधव ये चार उम्मीदवार चुनाव लड़ने के इच्छुक बताए जा रहे हैं। इस बीच, पैनल से शिवसेना के जो भी उम्मीदवार होंगे, उन्हें चुनकर देने की अपील महेश गायकवाड ने मतदाताओं से की। वहीं, यदि पार्टी की ओर से शरद पावशे को उम्मीदवार बनाया जाता है, तो वे निश्चित रूप से अच्छा कार्य करेंगे, ऐसा विश्वास शहर प्रमुख निलेश शिंदे ने व्यक्त किया।

केडीएसी पैनल 14 में शिवसेना हुई एक्टिव

मनोज राय द्वारा महिलाओं के लिए होम मिनिस्टर कार्यक्रम का आयोजन

केडीएमसी पैनल क्रमांक 14 में बीजेपी समाजिक कार्य जोरों पर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। भाजपा के कल्याण जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व नगरसेवक मनोज राय द्वारा महिलाओं के लिए होम मिनिस्टर कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के लिए मनोरंजनात्मक खेलों का आयोजन हुआ। कल्याण पूर्व में केडीएमसी पैनल क्रमांक 14 में स्थित कैलाशनगर में आयोजित होम मिनिस्टर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने विभिन्न खेलों और स्पर्धा में भाग लेकर खेल का आनंद लिया। खेलों में भाग लेने वाली महिलाओं को आयोजक मनोज राय की तरफ से पैठणी साड़ियों के अलावा अनेक आकर्षक वस्तु वितरण की गई। इस मौके पर पूर्व नगरसेवक अनंता पावशे, पूर्व नगरसेविका हेमलता पावशे, समाजसेविका अमृता जाधव, पूर्व नगरसेविका शीतल मंढारी, विक्की तरे पूर्व नगर सेवक, राजू अंकुश,डॉक्टर पूजा गायकवाड़, सत्यप्रकाश उपाध्याय आदि भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। राजनीतिक गलियारों में हो रही चर्चा के अनुसार पैनल नंबर 14 में भाजपा से मनोज राय, अनंता पावशे, हेमलता पावशे और अमृता जाधव यह इच्छुक उम्मीदवार बताए जा रहें हैं। इस होम मिनिस्टर कार्यक्रम के लिए ३५ कलाकार सतीश नायकोडी ने मुख्य भूमिका निभाई।

संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त ग्राम पंचायतों की हुई कोंकण विभागीय जांच

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के अंतर्गत संचालित संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियान में जिला स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायतों की कोंकण विभागीय जांच संपन्न हो गई। यह जांच कोंकण विभाग के सहायक आयुक्त श्री घोरपडे एवं समिति सदस्य गणेश गांधले की उपस्थिति में 11 एवं 12 दिसंबर 2025 को संपन्न हुई। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पालघर तहसील की कुरगांव ग्राम पंचायत तथा वर्ष 2024-25 में दहाणू तहसील की घोलवड ग्राम पंचायत ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं वाडा तहसील की खानिवली ग्राम पंचायत ने लगातार दो वर्षों (2023-24 एवं 2024-25) में द्वितीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इन तीनों ग्राम पंचायतों की विभागीय समिति द्वारा विस्तृत एवं गहन जांच की गई। जांच के दौरान परिशिष्ट-2 के अनुसार ग्राम पंचायतों के अभिलेखों की सूक्ष्म जांच की गई तथा गांवों का प्रत्यक्ष भ्रमण भी किया गया। समिति ने घरेलू शौचालयों की उपलब्धता एवं नियमित उपयोग, सुरक्षित जलापूर्ति व्यवस्था, अपशिष्ट जल प्रबंधन, ठोस एवं प्लास्टिक कचरा निपटान, साथ ही विद्यालयों, आंगनवाड़ियों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता एवं शौचालय प्रबंधन की स्थिति का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला जल-स्वच्छता मिशन के परियोजना संचालक अतुल पारसकर, गट विकास अधिकारी पल्लवी सस्ते, वाडा पंचायत समिति के गट विकास अधिकारी वैभव शिंदे, सहायक गट विकास अधिकारी रेखा बनसोडे, जिला परिषद एवं पंचायत समिति के अधिकारी-कर्मचारी के अलावा खानिवली, घोलवड एवं कुरगांव ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

अंटी करप्शन बोर्ड के राज्यस्तरीय अधिवेशन में डॉ. रविंद्र मिश्रा को मिला महाराष्ट्र गौरव सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र प्रदेश के नाशिक जिले के सिन्नर में अंटी करप्शन बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित महाराष्ट्र राज्य द्वितीय राज्यस्तरीय अधिवेशन एवं गुणगौरव समारोह अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवा, मानवाधिकार संरक्षण, महिला बाल कल्याण तथा सनातन संस्कृति के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. रविंद्र मिश्रा को प्रतिष्ठित महाराष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य नागरिक, मानवाधिकार कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पत्रकार, अधिकारी तथा युवा प्रतिभाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्राप्त हुआ। अधिवेशन में प्रमुख अतिथि के रूप में मा. श्री कैप्टन अनिल कुमार खरात उपस्थित रहे। उनके साथ अंटी करप्शन बोर्ड के राष्ट्रीय पदाधिकारियों अण्णासाहेब खैरणार (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), दयानंद निकम (राष्ट्रीय सचिव), आर. के. जैन (संस्थापक अध्यक्ष, दिल्ली), ज्योति जैन (राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, दिल्ली), संदीप जाधव (होम मिनिस्टर फेम) व संजय पवार (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वक्ताओं ने सामाजिक उत्तरदायित्व, मानवाधिकारों की रक्षा और जनभागीदारी की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. रविंद्र मिश्रा ने मानवाधिकार संरक्षण, न्यायिक जागरूकता, महिलाझबाल सुरक्षा, पत्रकारिता, युवा सशक्तिकरण तथा सनातन सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार के क्षेत्र में वर्षों से निरंतर कार्य किया है। उनके नेतृत्व में अनेक निःशुल्क विधिक सहायता शिविर, जनजागरूकता अभियान, महिला मार्गदर्शन कार्यक्रम एवं युवा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं। समाज के वंचित वर्गों तक न्याय और सहायता पहुँचाने में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। सम्मान स्वीकार करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए गर्व के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति मेरी जिम्मेदारी को और मजबूत करता है। मानव सेवा और सनातन संस्कृति के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की प्रेरणा मुझे इससे मिली है। अधिवेशन के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को सशक्त बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने, महिलाझबाल सुरक्षा, कानूनी साक्षरता, साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता तथा युवाओं की राष्ट्रनिर्माण में भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। भविष्य की कार्ययोजना पर भी सहमति बनी। कार्यक्रम के समापन पर आगामी वर्ष में चलाये जाने वाले सामाजिक एवं मानवाधिकार कार्यक्रमों की घोषणा की गई और नागरिकों से जागरूक एवं सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

महाविद्यालयीन छात्र ग्रामीण विकास में सक्रिय भूमिका निभायेंगे : जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़

आदि कर्मयोगी फेलोशिप के लिए जिला प्रशासन-महाविद्यालय में समझौता

पालघर (उत्तरशक्ति)। अनुसूचित जनजातियों सहित समाज के वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत अब महाविद्यालयीन छात्र ग्रामीण विकास में सक्रिय भूमिका निभायेंगे। यह बात जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कही।

पालघर जिला प्रशासन एवं सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय के बीच आदि कर्मयोगी फेलोशिप के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी कार्यालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर दांडेकर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. किरण सावे उपस्थित थे। Whole-of-Government Approach पर आधारित इस अभिनव पहल के माध्यम से ग्राम स्तर पर कार्यरत प्रशासनिक कर्मचारियों की क्षमता-वृद्धि, योजनाओं की निगरानी और समुदाय की सहभागिता को मजबूती मिलेगी। फेलोशिप के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी गांवों में आजीविका संवर्धन, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की गुणवत्ता सुधारने में प्रत्यक्ष योगदान देंगे। जव्हार एवं दहानू परियोजना कार्यालयों के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास, कृषि, स्वास्थ्य, वन विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों का भी इस कार्यक्रम को सहयोग प्राप्त होगा। यह फेलोशिप आदिवासी बहुल पालघर जिले के समग्र विकास को नई दिशा देने वाली सिद्ध होगी, ऐसा विश्वास जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने व्यक्त किया।

सेंच्युरी रेयान हायस्कूल शहापूर में वार्षिक क्रीडा स्पर्धा व पारितोषिक वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सेंच्युरी रेयान हायस्कूल शहापूर में वार्षिक क्रीडा स्पर्धा व पारितोषिक वितरण समारंभ बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि श्रीकांत गोरे, उपाध्यक्ष एच आर, ने समारंभ को और भी भव्य बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की मुख्याध्यापिका सौ. वंदना युवराज भडाने ने की।

इस अवसर पर उपमुख्याध्यापक प्रमोद पारशी, पर्यवेक्षक दत्तात्रय दूधवडे,विद्याराणी और सीता साहू उपस्थित थे। क्रीडा शिक्षक, अन्य शिक्षक और विद्यार्थियों की उपस्थिति में मैदान उत्साही हो गया। स्पधाओं में 800 मीटर धावणे, 400 मीटर धावणे, रिले शर्यत, शॉटपुट और लांब उडी शामिल थे। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, जोश और क्रीडाभाव दिखाया। विजेत्या विद्यार्थ्यांना प्रमुख पाहुण्यांच्या हस्ते पारितोषिके प्रदान की गई।

मुख्याध्यापिका भडाने ने विद्यार्थियों को क्रीडेसोबत शिस्त, सहयोग और चिकाटी के महत्व के बारे में बताया। समारंभ का संचालन शिक्षकों ने किया और आभार प्रदर्शन स्कूल के क्रीडा विभाग ने किया। यह क्रीडा महोत्सव विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

देश की एकता के लिए संगठित हों: क्षेत्र प्रचारक

सुइथाकला के कोपा गांव स्थित मनकामेश्वर मंदिर परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के कोपा गांव स्थित मनकामेश्वर मंदिर परिसर में गुरुवार की देर शाम हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र प्रचारक अनिल ने मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यदि देश की एकता को बनाए रखना है तो इसके लिए सभी हिंदुओं को एकजुट होना पड़ेगा। क्षेत्रीय प्रचारक ने हिंदुओं की एकजुटता समय की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि एकता के अभाव में देश की मजबूती की कल्पना नहीं की जा सकती। बताया कि सभी हिंदू मतदान कहां करेंगे हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने राष्ट्रहित और हिंदुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर मतदान करने की अपील की। क्षेत्रीय प्रचारक ने बच्चों के शिक्षित और संस्कारित होने पर बल दिया। महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में लागू करें।

धर्म की आड़ में धर्मांतरण कराने वाले और सामाजिक एकता को छिन्न भिन्न करने वाले लोगों का बहिष्कार करने का आह्वान किया। अध्यक्षता राजेश सिंह और संचालन हृदय नारायण तिवारी ने किया। मौके पर प्रांत प्रचारक मुरलीपाल, विभाग प्रचारक रजत, जिला प्रचारक अमरजीत, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद तिवारी, शाहगंज सोंधी ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह, शिक्षक नेता रमेश सिंह, पूर्व प्रचारक राज बहादुर सिंह, मंडल अध्यक्ष अवधेश दुबे, जितेंद्र सिंह, प्रतिमा तिवारी, तारा प्रणय तिवारी, भीम सिंह, अंगद वर्मा, मोनू तिवारी, अंकित सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दहशत की साजिश नाकाम, बाल अपचारी सहित 4 गिरफ्तार

मछलीशहर में जानलेवा फायरिंग केस का खुलासा, पूरी घटना सीसीटीवी में हुई थी कैद

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मछलीशहर पुलिस ने भोर में जान से मारने की नीयत से की गई फायरिंग की सनसनीखेज घटना का खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी सहित चार वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ चोरी की तीन मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी 2025 की सुबह नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास पर अज्ञात बाइक सवारों द्वारा फायरिंग की गई थी। उस समय पीड़ित घर के अंदर मौजूद थे, जिससे वे बाल-बाल बच गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी। मामले में थाना मछलीशहर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व, क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक विनीत राय के निर्देशन में पुलिस व एसओजी गामा टीम ने 12 दिसंबर की रात कोटवां पुलिया के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में निर्देश सिंह उर्फ जुम्मन, हिमांशु मिश्रा उर्फ छोटू, कुशल मिश्रा तथा एक 16 वर्षीय बाल अपचारी शामिल है।

पूछताछ में पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने पैसों के लालच में घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। आरोपियों के अनुसार, फायरिंग की साजिश पहले से बनाई गई थी और मोटरसाइकिल से मौके पर पहुंचकर गोलियां चलाई गईं।

बरामदगी में एक देशी पिस्टल (32 बोर), एक जिंदा कारतूस तथा तीन मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्यवाही प्रचलित है और सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नहीं रहे जनपद के वरिष्ठ पत्रकार सरदार जोगेंद्र सिंह

शनिवार की सुबह लंबी बीमारी के बाद ली अंतिम सांस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के जौनपुर जिले में ओलन्दगंज के निवासी वरिष्ठ पत्रकार सरदार जोगेंद्र सिंह का आज शनिवार की सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वरिष्ठ पत्रकार सरदार जोगेंद्र सिंह विद्यार्थी जीवन से ही समाचार और लेख लिखने का काम करते थे। उस समय जिले से कई साप्ताहिक अखबार निकल रहे थे, जिसमें वह अपना समाचार बराबर देते रहते थे, बाद में वे वाराणसी से प्रकाशित दैनिक गांडीव के जिला संवाददाता हो गए और उसके बाद उन्होंने गांडीव को छोड़कर कई और समाचार पत्रों में अपने लेख और समाचार देना शुरू किया। सरदार जोगेंद्र सिंह के निधन पर जिले के समस्त राजनेताओं, सामाजिक संगठनों के लोगों के साथ ही पत्रकारों ने गहरा दुख प्रकट किया है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को दोपहर में पूरे नागरिक सम्मान के साथ जौनपुर में गोमती नदी के पावन तट रामघाट पर किया गया, जहां पर बुद्धिजीवी, समाजसेवी, लेखक और पत्रकार मौजूद रहे।

वाराणसी ट्रैफिक अपडेट: राजघाट पुल पर नहीं चलेंगे चार पहिया वाहन, जंगमबाड़ी में बनेगा ऑटो पार्किंग स्टैंड

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस उपायुक्त यातायात अनिल कुमार यादव ने आज अपर पुलिस उपायुक्त यातायात अंशुमान मिश्रा एवं यातायात निरीक्षक कोतवाली के साथ मैदागिन से कबीरचौरा तक लगाई गई बैरिकेडिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बैरिकेडिंग की उपयोगिता, बेहतर यातायात प्रबंधन और जनता को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही हरिश्चंद्र कॉलेज के सामने शव वाहनों, ऑटो और ई-रिक्शा की पार्किंग के लिए रंग-आधारित पार्किंग मार्किंग करवाने का निर्देश भी दिया गया।

जंगमबाड़ी क्षेत्र की यातायात समस्याओं पर बैठक: पुलिस उपायुक्त यातायात ने जंगमबाड़ी क्षेत्र का भी भ्रमण कर व्यापारियों की समस्याएँ सुनीं। आज जंगमबाड़ी व्यापार मंडल के साथ बैठक कर क्षेत्र की यातायात समस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। व्यापारियों द्वारा पेडल रिक्शा, ऑटो, ई-रिक्शा और पार्किंग संबंधी समस्याएं बताई गईं। इस पर निर्णय लिया गया कि व्यापार मंडल की सहमति से ग्रीन कलर से टू-व्हीलर पार्किंग चिन्हांकन कराया जाएगा। जंगमबाड़ी ऑटो स्टैंड का रेड कलर से पार्किंग चिन्हांकन होगा।

मालवाहक वाहनों के संचालन पर नियंत्रण किया गया है: सर्दियों में सुबह 4:00 बजे से 9:00 बजे तक और गर्मियों में सुबह 5:00 बजे से 10:00 बजे तक मालवाहक वाहन जंगमबाड़ी क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेंगे। व्यापारियों ने इन सभी बिंदुओं पर सहमति व्यक्त की।

राजघाट पुल डायवर्जन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय: लोक निर्माण विभाग द्वारा राजघाट पुल की मरम्मत के लिए पुल पर वाहन संचालन रोकने हेतु अनुमति मांगी गई थी। आज अभियंताओं एवं यातायात अधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया कि राजघाट पुल पर केवल दोपहिया वाहन और पैदल यात्री ही चल सकेंगे। अन्य सभी वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा। सामने घाट पुल पर बढ़ते दबाव को देखते हुए वहां केवल छोटे चारपहिया वाहन, दोपहिया वाहन तथा रामनगर से लंका की ओर आने वाले ऑटो एवं ई-रिक्शा को ही आवागमन की अनुमति दी जाएगी।

बड़े चारपहिया वाहन, टेंपो ट्रैवलर, स्कूल बसें और सभी मालवाहक वाहन अमरा-अखरी एवं मोहनसराय मार्ग से डायवर्ट किए जाएंगे। अन्य स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद अंतिम ट्रैफिक एडवाइजरी 18 दिसंबर को जारी की जाएगी। पीडब्ल्यूडी को साइनेज व बैरियर लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

समाधान दिवस पर सिंधोरा थाने पर ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने मौके पर ही निपटाए कई मामले

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के गोमती जोन के सिंधोरा थाना प्रांगण में शनिवार को आयोजित 'थाना समाधान दिवस' पर फरियादियों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ सुना गया। थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने स्वयं उपस्थित रहकर एक-एक फरियादी की शिकायत को गहनता और संवेदनशीलता के साथ सुना।

निरीक्षक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी की त्वरित कार्रवाई और कार्यशैली का प्रमाण यह रहा कि कई फरियादी अपनी शिकायतें लेकर आए, जिनके प्रार्थना पत्रों पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया। भूमि विवाद और छोटे-मोटे झगड़ों से संबंधित कुछ मामलों का निस्तारण तो मौके पर ही कर दिया गया, जिससे फरियादियों को अनावश्यक भाग-दौड़ से मुक्ति मिली और उन्हें त्वरित न्याय का एहसास हुआ।

थाना प्रभारी के इस सक्रिय और जनोन्मुखी रवैये को देखते हुए लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बाकी प्रार्थना पत्रों की जांच जल्द से जल्द पूरी करें और पारदर्शिता के साथ उनका निस्तारण सुनिश्चित करें।

थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी की यह पहल न सिर्फ कानून-व्यवस्था को मजबूती देती है, बल्कि आम जनता के बीच पुलिस की छवि को भी सकारात्मक रूप से स्थापित करती है। यह दिखाता है कि पुलिस अब महज अपराधी को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करने वाली एक महत्वपूर्ण इकाई भी है।

समाधान दिवस पर थाना बक्शा में आये फरियादियों की जिलाधिकारी ने सुनीं समस्याएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बक्शा में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करे। जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी समस्याए प्राथमिकता पर समाधान के योग्य है उनपर त्वरित रूप से कार्य करते हुए निस्तारण कराए। जिलाधिकारी ने अपराधियों के खिलाफ पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीओ सिटी देवेश सिंह, उपजिलाधिकारी सदर संतवीर सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने महाराजगंज थाना का किया आकस्मिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के द्वारा थाना महाराजगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम का अवलोकन किया। कक्ष में कंप्यूटर सिस्टम के रखरखाव और साफ सफाई पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री द्वारा सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों की कार्य पद्धति, कार्य कुशलता और स्वच्छता के प्रति जो संदेश दिया गया है। वह यहां देखने को मिला है। सुव्यवस्थित तरीके से कंप्यूटर सिस्टम सहित अन्य उपकरण रखे गए हैं। उन्होंने इसकी सराहना करते हुए थाना प्रभारी व दीवान को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि थाना परिसर में इतने कम संसाधन में भी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो निश्चय ही एक नजीर है। उन्होंने थाना परिसर में अन्य कक्ष, अभिलेखों के रखरखाव, आर.ओ. प्लांट की क्रियाशीलता का परीक्षण, मिशन शक्ति केंद्र आदि का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी के द्वारा क्राइम रजिस्टर के ऑनलाइन तथा मैन्युअल संचालन के संदर्भ में भी जानकारी ली गई। इसके साथ ही थाना परिसर स्थित मंदिर में दर्शन पूजन भी किया गया। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

16 दिसंबर को खुलेगा तेजस्वी किसान मार्ट

खुटहनिया ग्राम पंचायत में हुई ग्राम समूह की बैठक

करमा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। खुटहनिया ग्राम पंचायत में कोषाध्यक्ष के आवास पर ग्राम समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह घोषणा की गई कि लक्ष्मी गणेश आजीविका महिला स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व में तेजस्वी किसान मार्ट का शुभारंभ 16 दिसंबर को किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता प्रियंका देवी ने की तथा संचालन आराधना मौर्या (कोषाध्यक्ष) ने किया। इस अवसर पर सचिव अनीता देवी, समूह सखी सीता देवी, ब्लॉक प्रबंधक जगदीश कुमार, ई. प्रकाश पाण्डेय (तेजस्वी संगठन न्यास) एवं संतोष कुमार (पंचायत मित्र) उपस्थित रहे। बैठक में उजागर प्रेरणा संकुल संघ (सरंगा क्लस्टर) की अध्यक्ष गीता देवी व कोषाध्यक्ष प्रियंका सिंह ने भी सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि तेजस्वी किसान मार्ट से महिला स्वयं सहायता समूहों व किसानों को अपने उत्पादों के लिए सीधा बाजार मिलेगा और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

काशी-तमिल संगमम 4.0

भव्य स्वागत से गदगद दिखे तमिल मेहमान

महिला बोली- काफी दिनों से था बाबा विश्वनाथ के दर्शन का सपना, काशी आकर हो रही खुशी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी तमिल संगमम 4.0 के तहत तमिल डेलिगेट्स का छठां दल बनारस स्टेशन पहुंचा। स्टेशन पर तमिल मेहमानों का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत-सत्कार से मेहमान गदगद नजर आए। कई काशी की धरती पर पहुंचकर भावुक नजर आए। महिला डेलिगेट बोली कि काफी दिनों से बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने का सपना था। काशी पहुंचकर काफी खुशी हो रही है। बनारस स्टेशन पर पहुंचने पर पारंपरिक स्वागत देखकर तमिल दल के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने कहा कि काशी में मिल रही आध्यात्मिक वातावरण उनके लिए अविस्मरणीय है। डमरू वादन की ध्वनि से पूरा परिसर शिवमय हो गया और काशी व तमिलनाडु की सांस्कृतिक एकता की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम के तय शेड्यूल के अनुसार, तमिलनाडु से आए यह डेलिगेट्स काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे गंगा तट, घाटों, तथा शहर के प्रमुख सांस्कृतिक और शैक्षिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अतिथियों को काशी की समृद्ध विरासत, कला, संस्कृति और अध्यात्म से परिचित कराने के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। दल में शामिल लक्ष्मी काशी पहुंचने पर भावुक हो गई।

उन्होंने कहा कि हमारा शुरू से सपना था कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन करें, आज काशी पहुंच कर बड़ी खुशी हो रही है। लक्ष्मी ने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि इस तरह से काशी में आगमन होगा। वह अन्य महिलाओं के साथ दक्षिण भारतीय भाषा में भजन गाती हुई दिखाई दी। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देते हैं कि हमारे राज्य से लोगों को उत्तर प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में भ्रमण करने का मौका मिल रहा है। काशी और दक्षिण भारत का रिश्ता काफी पुराना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/प्रतिनिधिगण के साथ हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/प्रतिनिधिगण के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम और बढ़ी हुई अवधि के संदर्भ में जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/ प्रतिनिधिगण को अवगत कराया कि कलेक्टीबल और नॉन कलेक्टीबल फॉर्म के डिजिटाइजेशन के पश्चात विधानसभा क्षेत्र बदलापुर में 100 प्रतिशत, शाहगंज में 100, जौनपुर में 99.93, मल्हनी में 100, मुंगराबादशाहपुर में 100, मछलीशहर में 100, मडियाहू में 100, जाफराबाद में 100 और केराकत में 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य हो चुका है। इस प्रकार जनपद में कुल 99.99 प्रतिशत फॉर्म का डिजिटाइजेशन हो चुका है। राजनैतिक दल के जिलाध्यक्ष/ प्रतिनिधिगण ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान सभी विधानसभाओं के इआरओ, एईआरओ, सुपरवाइजर सहित बीएलओ के कार्यों की सराहना भी की। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, बीजेपी से पीयूष गुप्ता, जिला महामंत्री सुदर्शन सिंह, स्कंद कुमार पटेल, विजय कमार पटेल, गुलाब चंद्र यादव, विजय कुमार पटेल, सपा से हीरालाल विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष बीएसपी संग्राम भारती, जिलाध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ योगेश विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष प्रभारी आप राजेंद्र कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

बरसठी पुलिस ने अवैध देशी तमंचा, कारतूस व मोटरसाईकिल के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक बरसठी देवानन्द रजक हमराह के देखभाल मे क्षेत्र में चेकिग संदिग्ध वाहन व संन्दिग्ध व्यक्ति की तलाश के दौरान वांछित अपराधी में मामूर थे कि मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी मोहम्मद कैफ पुत्र सगीर निवासी ग्राम कसाब टोला थाना मड़ियाहूँ जनपद जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष को हमराहियान की मदद से हरीपुर से भगवानपुर जाने वाले नहर पटरी के पास बहद ग्राम हरिपुर से गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से एक अदद नाजायज देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर व एक अदद मोबाइल वीवो ब्राउन कलर एन्ड्रायड व एक अदद मोटरसाईकिल रजिस्ट्रेशन नं0 यूपी62 सीएस9887 होण्डा साइन एसपी 125 सीसी ब्लैक-रेड कलर बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट
OPD Fee Free
Cholesterol 150/-
HbA1C 700/-
BMD 1500/-
PFT(Asthma) 1500/-
TSH 250/-
Sugar 50/-
Diet Councelling 200/-
Neuropathy 1000/-
Uric Acid 100/-
RA 150/-
TOTAL AMOUNT 5600/- Free
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र ने 1.90 लाख रुपये को सफलतापूर्वक कराया वापस

पिपरी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी थाना ने वापस कराये 190000/- हजार रुपये पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे ' विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र के कुशल नेतृत्व में थाना साइबर टीम के द्वारा आवेदक सौरभ नंदा पिता सुनील नंदा निवासी 51ए हिण्डालको कालोनी रेनूकूट पिपरी सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फ्राड कर के धनराशि को ट्रांसफर करा लिया गया था। जिसके क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुये बैंक से पत्राचार करके फ्राड हुई धनराशि को होल्ड कराकर निर्धारित प्रारुप में नोटिस देकर कुल 190000/- रुपये को आवेदिक के मूल खाते में सफलतापुर्वक वापस कराया गया। जिस पर आवेदिका द्वारा पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक के साथ साथ साइबर क्राइम पुलिस थाना पिपरी के अधिकारी/ कर्मचारीगण की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

चोरी की मोबाईल तथा एक मोटरसाईकिल बरामद दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । थाना खुटहन पुलिस की सयुक्त प्रयास से चोरी गये माल 01 चोरी की मोबाईल ,एक मोटरसाईकिल की सकुशल बरामदगी करते हुये आरोपीगण ,चन्द्रभान यादव उर्फ करिया पुत्र सुरेन्द्र यादव ग्राम रूस्तमपुर, थाना खुटहन, जौनपुर उम्र करीब 18 वर्ष, गोलू यादव उर्फ सचिन पुत्र सुरेश यादव ग्राम लखरईया, थाना सरपतहाँ, जौनपुर को सुल्तानपुर वन भोकरा मार्ग से समय 12.45 बजे गिरफ्तार किया गया। बजा दे कि 13 दिसंबर 2025 को वादी मुकदमा अमन गौतम पुत्र सहादुर निवासी ग्राम घुघुरी सुल्तानपुर थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर के द्वारा अपनी खुद की मोबाइल दिनांक 01.12.25 को रात्रि करीब 7 बजे मै पटैला बाजार मे किराना की दुकान पर समान खरीद रहा था । बगल मे मोबाइल रखा था। कोई अज्ञात चोर मेरा ओप्पो ब्रान्ड मोबाइल चुरा लेने के सम्बन्ध में तहरीर प्राप्त हुआ जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 369/2025 धारा 303(2) बीएनएस थाना खुटहन जनपद जौनपुर बनाम अंज्ञात चोर पंजीकृत हुआ था। पुलिस ने बताया कि उ0नि0 रवि प्रकाश सिंह विवेचना में पतारसी सुरागरसी के दौरान मुखबीर द्वारा बताया गया कि सुल्तानपुर वन भोकरा की तरफ से एक पल्सर पर दो व्यक्ति आ रहे इनके पास चोरी की मोबाइल हैं यह लोग मोबाइल बेचने खरीदने की बातचीत कर रहे है, यदि जल्दी करे तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर मैं उ0नि0 मय हमराह पुलिस बल व मुखबिर को साथ लेकर जैसे ही उसरौली की तरफ से सुल्तानपुर वन भोकरा मार्ग पर पहुंचकर आने वाले वाहन का इन्तजार करने लगे कि कुछ समय बाद एक कालीरंग की पल्सर मो0सा0 सुल्तानपुर की तरफ से आती दिखाई दिया। कुछ नजदीक आने पर मो0सा0 को रोककर हम पुलिस वालो द्वारा एक बारगी दोनो व्यक्तियों का नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो मो0सा0 चला रहा व्यक्ति ने अपना नाम चन्द्रभान यादव उर्फ करिया पुत्र सुरेन्द्र यादव ग्राम रूस्तमपुर, थाना खुटहन, जौनपुर उम्र 18 वर्ष बताया। दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम गोलू यादव उर्फ सचिन पुत्र सुरेश यादव ग्राम लखरईया, थाना सरपतहाँ, जौनपुर उम्र 20 वर्ष बताया।

पं शांतिधर त्रिपाठी के पौत्र अगस्त्य त्रिपाठी स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

राजस्थान (उत्तरशक्ति) मुंबई स्थित मुम्बादेवी मंदिर के प्रमुख पूजारी सेवानिवृत्त आचार्य पंडित शांतिधर त्रिपाठी के पौत्र मास्टर अगस्त्य त्रिपाठी को राजस्थान अंबाला स्थित बकनौर एयरफोर्स स्कूल में स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड सन 2025 - 26 से सम्मानित किया गया। अगस्त्य त्रिपाठी को सम्मान मिलने पर परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पैतृक गांव जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज , पोस्ट मधुपुर, ग्राम बेरमांव में भी खुशी का माहौल व्याप्त है। दादा पंडित आचार्य शांतिधर त्रिपाठी, दादी श्याम लता त्रिपाठी, पिता सार्जेंट पंकज त्रिपाठी, माता रश्मि त्रिपाठी ने आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने भी बधाई देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध के भांति अगस्त्य बेटा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।

शिक्षकों व बच्चों के लिए प्रेरणास्त्रोत है टीएलएम मॉडल: एचएम अखिलानंद

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार सिवान जिले के अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के महात्मा बुद्ध गौर मध्य विद्यालय में टीएलएम प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें संकुल संसाधन क्षेत्र के सभी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में उपस्थित छात्राओं के बीच महात्मा गांधी मध्य विद्यालय के एच एम अखिलानंद पांडे ने कहा टीएलएम प्रदर्शनी सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समर्पण और नवाचार का प्रतीक है। एक एम श्री पांडे ने शनिवार को विद्यालय परिसर में आयोजित संकुल स्तरीय टीएलएम प्रदर्शनी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि टीएलएम मॉडल शिक्षकों और बच्चों दोनों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए कला-कौशल को देखने से बच्चों के मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम में संकुल के अधीन सभी विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने अपने द्वारा बनाए गए टीएलएम की प्रदर्शनी लगायी। ये टीएलएम कक्षा एक से आठ तक के हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान व पर्यावरण विषयों पर आधारित थे। टीएलएम मेले का उद्घाटन हेडमास्टर अखिलानंद पांडे ने किया । निर्णायक मंडल ने नामित शिक्षकों ने सभी टीएलएम का सूक्ष्म अवलोकन किया और निर्धारित प्रपत्र में रेटिंग दी। विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। बताया कि अब प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेले में अपने मॉडलों के साथ शामिल होना था।

फोनपे वेल्थ लाया है म्यूचुअल फंड्स के साथ निवेश की नई शुरूआत

मुंबई। फोनपे वेल्थ ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड ने आज म्यूचुअल फंड्स में अपनी डेली रक्ढ (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) सुविधा को लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे यूजर्स अब सीधे ढँङ्घल्लीढी ऐप के माध्यम से प्रतिदिन मात्र 10 जैसी छोटी राशि से भी निवेश कर सकेंगें। यह संभावित निवेशकों को अपनी डेली सेविंग्स को आसानी से निवेश में बदलने और ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को समय के साथ संपत्ति बनाने में सक्षम बनाएगी। भारत की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री, खासकर रक्ढ इंडस्ट्री बहुत तेजी से विकास की दिशा में कदम बढ़ा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (अटक्ष्क) के अनुसार, मंथली रक्ढ इनफ्लो अक्टूबर 2025 में 29,000 करोड़ से अधिक हो गया—जो पिछले पाँच वर्षों में 30% से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि लगातार बढ़ रहे योगदान देने वाले रक्ढ अकाउंट्स में भी दिखती है, जिनकी सँख्या अक्टूबर 2025 तक 9.45 करोड़ हो गई है। यह निवेशकों की म्यूचुअल फंड्स में नियमित योगदान के साथ अनुशासित निवेश के लिए मजबूत प्राथमिकता को दशार्ता है। यह इस बात को दर्शाता है कि निवेशक अनुशासित निवेश को प्राथमिकता देते हैं और म्यूचुअल फंड्स में नियमित अंतराल पर योगदान करते हैं। इस दिशा में, डेली रक्ढ२ की शुरूआत यूजर्स को मात्र 10 प्रतिदिन से निवेश करने का अवसर देगी, जिससे म्यूचुअल फंड में निवेश करना और भी अधिक सुविधाजनक और किफायती बन जाएगा। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जिन व्यक्तियों की कमाई और बचत दैनिक है। यह सुविधा उनके लिए म्यूचुअल फंड निवेश को बेहद आसान और सुलभ बनाती है, और यही उनकी वित्तीय संपत्ति (फाइनेंशियल वेल्थ) निर्माण की ओर पहला कदम है। लॉन्च के दौरान,रँशी.टं१ी३ (फोनपे वेल्थ) में इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के प्रमुख, निलेश डी नाइक जी ने कहाः डेली रक्ढ२ के माध्यम से, हम लाखों भारतीयों के लिए निवेश को एक आदत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

पांच साल की बच्ची का अपहरण, बलात्कार और हत्या करने के बाद फरार आरोपी को 18 साल बाद गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर, वसई और विरार पुलिस आयुक्त कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र में हुई अनसुलझी हत्या के मामले की समानांतर जांच करके उक्त अपराध को सुलझाने का आदेश दिया था।

कानूनी तौर परः मानिकपुर थाना जी.रजि. क्रमांक 123/2007 आईपीसी की धारा 302, 363, 376 के तहत शिकायतकर्ता बाबूला जगई प्रसाद गौतम, उम्र 19 वर्ष, निवासी यादव कंपाउंड, अवधराम यादव चाल, सातिवली, ताल वसई, दिनांक 31/03/2007 को 23.00 बजे से 01/04/2007 को 08.00 बजे तक, अपराध में आरोपी। नंदलाल उर्फ नंदू रामदास विश्वकर्मा, उम्र 22, निवासी सातिवली वसई, ताल वसई, मूल निवासी खरदौरी, ताल। उक्त मामला 01/04/2007 को दर्ज की गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी 5 वर्षीय बेटी गीतादेवी बाबूलाल गौतम के साथ जबरन यौन संबंध बनाए गए, उसे चॉकलेट का लालच देकर बहलाया गया, किसी उपकरण से पीटा गया, जिससे उसके बाएं गाल और नाक पर चोटें आईं और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। अपराध निवारणः वसई स्थित क्राइम ब्रांच सेल 2 के माध्यम से उक्त अपराध की एक नई समानांतर जांच करने, अपराध स्थल पर मौजूद गवाहों से पूछताछ करने और उत्तर प्रदेश में आरोपी के पैतृक गांव में एक गुप्त मुखबिर के माध्यम से आरोपी के मिली जानकारी के आधार पर, सहफौज/रवींद्र पवार के मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी अपने पैतृक गांव में छिपा हुआ है। उक्त आरोपी के बारे में प्राप्त सूचना और कुशल जांच के आधार पर, एक जांच दल मोहम्मद खरदौरी, तहसील इटावा, जिला सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश भेजा गया और क्राइम डिस्क्लोजर सेल 2, वसई ने 10/12/2025 को आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।उपरोक्त कार्य मा, निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, मा, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध), अपराध शाखा सेल 2 वसई के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, सहायक पुलिस निरीक्षक सोपान पाटिल, पुलिस उप निरीक्षक संतोष घड़गे, अजीत गीते, सहायक सिपाही संजय नवले, मुकेश पवार, रविंद्र पवार, मनोज मोरे, चंदन मोरे, पोहवा प्रफुल्ला पाटिल, प्रशांत कुमार ठाकुर, सचिन पाटिल, जगदीश गोवारी, दादा अडके, राहुल कार्पे, दिलदार शेख, पुलिस अनमलदार अनिल साबले, अक्षय बंगर, मसूद रामेश्वर केकान, सभी नामित अपराध शाखा सेल 2 वसई और सफौज/संतोष चव्हाण नामित साइबर पुलिस स्टेशन, मीरा भायंदर, वसई विरार, पुलिस आयुक्त कार्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कुएं में मिला लापता युवक का शव, एक सप्ताह से था गायब

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' मीरगंज थाना क्षेत्र के चौकी खुर्द गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के एक कुएं में एक युवक का शव उतराता हुआ मिला। शव की पहचान 25 वर्षीय शुभम कन्नौजिया पुत्र गोविंद कन्नौजिया के रूप में हुई है, जो बीते एक सप्ताह से लापता था। जानकारी के अनुसार, 5 दिसंबर की रात शुभम के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन आने के बाद वह घर से निकला, लेकिन मोबाइल फोन बिस्तर पर ही छोड़ गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 6 दिसंबर को मीरगंज थाने में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा युवक के मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच की जा रही थी। शनिवार को गांव के एक कुएं में शव मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। खबर फैलते ही मौके पर सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विनोद कुमार अंचल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। शव देखते ही मृतक के छोटे भाई ने पहचान की, जिसके बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस हत्या, आत्महत्या या दुर्घटना—हर पहलू से जांच कर रही है।

आम, लीची व अमरूद्ध के पौधों पर दवा के छिड़काव पर मिलेगा 75 प्रतिशत अनुदानः श्याम सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज आम, लीची व अमरूद्ध पर इच्छुक किसान कीटनाशी दवाओं का छिड़काव करा सकते हैं । इसके लिए सरकार 75 प्रतिशत अनुदान देगी। इच्छुक किसान डीबीटी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। इस योजना से किसानों को समय मजदूरी व पैसा की बचत होगी। उक्त आशय की जानकारी बिहार प्रदेश के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के पौध संरक्षण पदाधिकारी श्याम सिंह दी। पौध संरक्षण पदाधिकारी के अनुसार आम, लीची व अमरूद्ध पर दो बार दवाओं का छिड़काव करना पड़ेगा । एक बार कीटनाशी तथा दूसरी बार व्याधि दवाओं का छिड़काव करना होगा। विभाग के अनुसार सभी पौधों के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर रखी है। अमरूद्ध पर प्रथम छिड़काव एक हजार तथा दूसरा छिड़काव एक हजार का लक्ष्य रखा गया है। इन छिड़काव पर सरकार 75 प्रतिशत अनुदान देगी. वहीं 25 प्रतिशत खर्च किसानों को वहन करना पड़ेगा, पौधा संरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि वहीं किसान डीबीटी पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। जो पंजीकृत किसान होना चाहिए।बताया कि बताया कि आम के पौधों पर प्रथम छिड़काव में 74 रुपया खर्च करना पड़ रहा है, जहां 55.50 रुपया विभाग देगी, शेष अन्य राशि किसान वहन करेंगे. उसी प्रकार द्वितीय छिड़काव पर प्रति वृक्ष 94 रुपया लेगा, जिसमें विभाग 70.50 देगा, शेष राशि किसान को देना होगा. उसी प्रकार लीची एवं अमरूद्ध में भी छिड़काव का दर निर्धारित किया गया है. केला और पपीता के पौधों पर कीटनाशी दवाओं के छिड़काव पर विभाग 50 प्रतिशत अनुदान देगा।

पल्स पोलियो अभियान अब 14 की बजाय 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज केंद्र सरकार द्वारा 14 दिसंबर से शुरू होने वाला पल्स पोलियो अनुराष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है।अब यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियान 16 दिसंबर से प्रारंभ होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य प्रबंधक एम आलम ने बताया कि आप परिहार कर्म से समय बदल गया है। प्रखंड में इस अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।पीचसी की ओर से सभी पंचायतों में घर-घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो का दो बूंद टीका पिलाया जाएगा। इसके लिए व्यापक माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। प्रखंड में कुल 33

सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं,जिनके साथ तीन-तीन टीमें काम करेंगी। ये टीमें घर-घर जाकर सूचीबद्ध समेत छूटे हुए बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करेंगी। सीएचसी के प्रभारी डॉ बिपिन बिहारी ने बताया कि पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर बच्चे तक पहुंचना अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं और स्वास्थ्यकर्मियों को सहयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मैदान में जुटी हुई है, ताकि प्रखंड का कोई भी बच्चा इस टीकाकरण से वंचित न रहे।

कांग्रेस की हार की वजह वोटर लिस्ट नहीं उसका नेतृत्व है

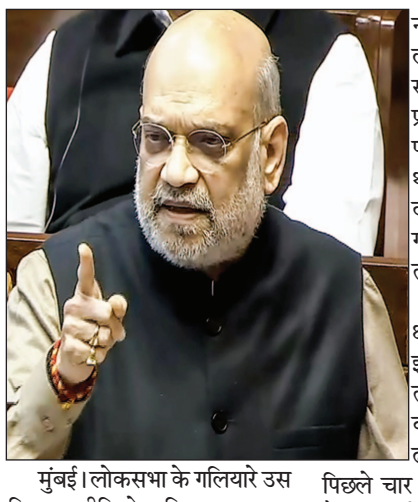

मुंबई। लोकसभा के गलियारे उस दिन राजनीति के इतिहास का एक बड़ा अध्याय देख रहे थे जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने चुनाव सुधारों पर चल रही बहस को एक निर्णायक मोड़ पर पहुँचा दिया। यह कोई साधारण चर्चा नहीं रही- बल्कि देश के लोकतंत्र, विपक्ष की राजनीति, और चुनाव प्रक्रिया की प्रामाणिकता पर एक नैरेटिव शिफ्ट था, जिसमें विपक्ष के दावों को न सिर्फ परखा गया, बल्कि उन्हें तार-तार कर दिया गया।

सदन की हवा उस क्षण बदल गई जब तथ्य, इतिहास और कटाक्ष तीनों एक साथ विपक्ष की वर्षों पुरानी कथाओं को ढहा रहे थे। विपक्ष पिछले चार महीनों से रक्ढ पर झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन रणनीति और अध्ययन में अद्वितीय शाह जब सदन में उतरे तो पूरा विपक्ष सहम कर रह गया। भारत की राजनीति को एक नई पहचान दिलाने वाले शाह ने अपने धारदार अंदाज में तथ्यों के साथ विपक्ष के हर आरोप का जवाब दिया। जिस समय विपक्ष एग्ट और मतदाता सूची को दोषी बताता रहा, उसी समय शाह के भाषणों से सदन के भीतर यह साबित हो गया कि 2004 में जब पहली बार एग्ट से लोकसभा चुनाव हुआ और कांग्रेस जीती, तब किसी को मशीन में खोट क्यों नहीं दिखा 2009 में जीत मिली तब भी एग्ट पवित्र रही, मगर 2014 से जब हारने लगे तो हर चुनाव हार के साथ एग्ट दोषी हो गई। शाह के सारे तर्क एक ही दिशा में इशारा कर रहे थे। कांग्रेस की हार का कारण न मशीन है, न मतदाता सूची, कारण है उसका नेतृत्व। आज देश जानता है कि मोदी सरकार का काम सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 हटाना, उअअ लाना, राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक हटाना और घुसपैठियों को रोकना इन्हीं निर्णयों ने विपक्ष की राजनीति की जमीन कमजोर कर दी है।

अधिकारी प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाएं : एडीएम

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल के एसडीओ अनीता सिंह ने अनुमंडल क्षेत्र के सभी बीडीओ एवं सीओ को कार्य शैली सुधारने का सख्त निर्देश दिया है। एडीएम ने प्रशासनिक कार्यों में तीव्रता, पारदर्शिता और बेहतरी लाने का निर्देश दिया। समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान की है। एडीएम ने निर्देश दिया कि हर अधीनस्थ पदाधिकारी बैठक में विभागीय मासिक प्रगति रिपोर्ट, अनुपालन रिपोर्ट तथा राज्य व जिला स्तर पर विभाग की रैंकिंग दश वाली पावर प्वाइंट प्रस्तुति अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। रिपोर्ट में लक्ष्य, उपलब्धियां, बाधाएं व लंबित मामलों का स्पष्ट विवरण शामिल होगा। सभी

शाखा प्रभारियों को कार्यालयों का पाक्षिक निरीक्षण कर उपस्थिति, अभिलेख संधारण, फाइल प्रबंधन तथा नागरिक सेवाओं की समयबद्धता का मूल्यांकन करते हुए रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। एडीएम ने एमजेसी, सीडब्ल्यूजेसी तथा अन्य सभी अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने, योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति जानने, एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सूचकांकों के अनुरूप डैशबोर्ड अपडेट समय पर करने का निर्देश दिया है। अनुपालन में शिथिलता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। न्यायालयीन वादों के त्वरित निस्तारण पर विशेष बल देते हुए आरटीआई मामलों में समयबद्ध कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने फाइलों की पाक्षिक समीक्षा कर उन्हें एक्टिव व इनेक्टिव श्रेणी में वर्गीकृत करने तथा किसी भी प्रकार की देरी या अनुचित लंबित प्रस्तावों पर रोक लगाने के निर्देश दी है। फाइल मूवमेंट की समय-सीमा का पालन करने को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी बीडीओ एवं सीओ की साप्ताहिक समीक्षा वीडियो बैठक की जाएगी। इसमें जन शिकायत निवारण, अतिक्रमण हटाने, राजस्व वसूली, पंचायत स्तर की प्रगति सहित प्रमुख बिंदुओं की समीक्षा होगी।

हिंदूसभा' से 'हीथ्रो' तक का डॉ. रजनीकान्त मिश्र का सफर

-आदेश मिश्र

मुंबई। यह संघर्ष यात्रा है डॉ. रजनीकान्त मिश्र की जिनका दाहिना पैर मात्र छः माह की उम्र में पोलियो ग्रस्त हो गया गया था। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) जिले के गांव सिधवार से उनके पिता उन्हें इलाज हेतु मुंबई लेकर आए जहां एक बड़े से ऑपरेशन के बाद पांच वर्ष की उम्र में वो कैलीपर पहनकर पहली बार श्चलश्र पाए। पर अगले दो वर्ष बाद पुनः उसी पैर के दो और ऑपरेशन करने पड़े। पैर में कठिनाई के नाते उनके पिता उन्हें सातवीं कक्षा तक कभीकभार पैदल पर अधिकतर तो गोद में ही लेकर अस्पताल, स्कूल जाते रहे। माता पिता का उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहना स्वाभाविक था तदनुरूप माता की आंखों में आंसूओं की मात्रा ज्यादा थी ही! पर पिता धीर गंभीर। उन्हें जिंदगी के संघर्ष में विजयी होने के सारे गुण सिखाते रहे। इसी का परिणाम यह रहा कि डॉ. रजनीकान्त मिश्र पढ़ाई में सदैव अव्वल रहे। पूना बोर्ड साथ ही मुंबई यूनिवर्सिटी में भी रेखांकित हुए। मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही उनका रुझान कविताओं की ओर हुआ। पर जिंदगी की जिम्मेदारियां उन्हें घाटकोपर स्थित 'हिन्दूसभा हॉस्पिटलश्र ले आईं जहां अपने प्रशासकीय दायित्व को निभाते हुए उन्होंने अपनी काव्य रुचि को भी कायम रखा। तत्कालीन कवियों की रचनाओं को सुनकर उनका मन काव्य मंचों की ओर आकृष्ट हुआ। तमाम सफलता। असफलता का सामना करते हुए धीरे धीरे सभी प्रमुख टीवी चैनलों, एफ.एम. रेडियो चैनल, विविध काव्य मंचों पर अपनी हास्य व्यंग्य की रचनाओं एवं श्रृंगारिक मुक्तकों, गीतों, दो फिल्मों में अभिनय से उन्होंने अपना एक मुकाम बना ही लिया फलस्वरूप तमाम पुरस्कारों से ये नवाजे गए हैं। देश के महत्वपूर्ण संस्थानों यथा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, एस.बी.आय., पी. एफओएमपी महोत्सव 25एन.बी., यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गेल, ओएनजीसी, एनटीपीसी, नीपको, आय.आय. टी., आय. आय.एम., न्यू इंडिया एसोरेंस, इंडियन ऑयल, एच पी सी एल, बी पी सी एल, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, राष्ट्रीय समुद्री विज्ञान संस्थान, प्रभात खबर (बिहार) समाचार पत्र काव्य श्रृंखला, हिंदी विवेक, अयोध्याधाम में आयोजित रामोत्सव काव्य समारोह आदि में श्रेष्ठ प्रस्तुति से सभी को आह्लादित करते रहे हैं। हिन्दूसभा हॉस्पिटल में भी वे श्रेष्ठ ऑफिसरश्र मैडल से नवाजे गए वहीं श्कोविडश्र के विकट दौर में हॉस्पिटल में श्ऑक्सीजनश्र की उपलब्धता, नियोजन, प्रबंधन की उनकी उत्कृष्ट क्षमता को देखते हुए राज्यपाल माननीय भगतसिंह जी कोश्यारी ने दो बार राजभवन के भव्य समारोह में उन्हें सम्मानित किया। देश भर में काव्य यात्राएं करते हुए उनका मन सदैव कचोटता रहता था कि जाने कब विदेश में काव्यपाठ होगा पर निरंतर स्वप्न देखने तदनुरूप परिश्रम करते रहने की उनकी जिजीविषा ने आखिकार यह ख्वाब भी साकार कर ही दिया जब लन्दन में उन्हें काव्यपाठ का आमंत्रण मिला। इसी महीने जब वो वहां के हीथ्रो एयरपोर्ट पर उतरे तो सारी पीड़ाएं घनीभूत होकर आंसूओं के रास्ते सहज छलक पड़ी पर ये आंसू खुशी के थे। आश्वस्ति के थे! इस उपलब्धि को सराहने माता पिता तो अब मौजूद नहीं पर स्वर्ग से वो आशीष तो दे ही रहे थे। सहृदय डॉ. रजनीकान्त मिश्र ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय पूरी विनम्रता से समस्त परिवार, गुरुजन, शुभचिंतक, साथी, संयोजक, संचालक, अधिकारी, कर्मचारी, श्रोतागण को समर्पित किया है। तमाम गणमान्य जनों ने भविष्य में इसी तरह निरंतर प्रगतिपथ पर अग्रसर रह नित नई सफलताएं अर्जित करने हेतु उन्हें हार्दिक मंगलकामनाएं प्रेषित की है।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का दिव्य प्रसंग

-रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। समन्वय परिवार में सनातन एकता सेवा संघ और सुगम्या फाइनेंस द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा छठवें दिन श्रीकृष्णश्रुक्मिणी विवाह के मंगलमय प्रसंग के साथ हुआ। कथा व्यास अखिलेश्वरा नन्द। महाराज ने श्रद्धालुओं को रुक्मिणी जी की अनन्य भक्ति, भगवान श्रीकृष्ण की करुणा तथा धर्म की विजय का भावपूर्ण वर्णन सुनाया। जैसे ही विवाह प्रसंग प्रारंभ हुआ, पूरा पंडाल भक्ति, उल्लास और जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर विवाह उत्सव का आनंद लिया। भजन-कीर्तन, मंगल गीत और झांकियों ने वातावरण को पूर्णतः वैकुंठमय बना दिया। कथा के समापन पर व्यास जी ने बताया कि रुक्मिणीश्रकृष्ण विवाह भक्त और भगवान के पवित्र मिलन का प्रतीक है, जो हमें श्रद्धा, समर्पण और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथा में मुख्य आकर्षण मौजूद सभी श्रद्धालु द्वारा हाथों में दीपक लेकर भगवान की आरती की गई।अंत में प्रसाद वितरण के साथ कथा का विधिवत समापन हुआ। कथा में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष ममता अनिल सिंह और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सिंह रहे। इस अवसर पर मुख्य यजमान अवधेश मिश्र, विकास सिंह, ओंकार दूबे रहे।इस अवसर पर मिथलेश मिश्र, आशीष मिश्र, उदय नाथ मौर्य, संतोष सिंह, मनीष मिश्रा,सुनील अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।